दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज ✌ किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना | वर्ष-15, अंक -155 जबलपुर, मंगलवार 14 जुलाई 2026 | कीमत-1 रूपया पृष्ठ-8 | संपादक अरुण श्रीवास्तव

बीजेपी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने किया नामांकन, नरोत्तम मिश्रा ने माना पार्टी का फैसला, हुए भावुक

दतिया-(आरएनएस)। दतिया उपचुनाव के लिए बीजेपी उम्मीदवार आशुतोष तिवारी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव और वरिष्ठ नेता नरोत्तम मिश्रा की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया। टिकट न मिलने के बावजूद नामांकन रैली में शामिल हुए नरोत्तम मिश्रा भावुक हुए, लेकिन उन्होंने पार्टी के फैसले पर सहमति जताकर एकजुटता का संदेश दिया। यह घटनाक्रम पार्टी के भीतर की राजनीतिक गतिशीलता और निष्ठा को दर्शाता है।

दतिया उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार आशुतोष तिवारी ने सोमवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव, वरिष्ठ नेता नरोत्तम मिश्रा और राज्य अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस सीट के लिए पार्टी का टिकट न मिलने के बावजूद, राज्य के पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा नामांकन कार्यक्रम में शामिल हुए और आशुतोष तिवारी की नामांकन रैली के दौरान भावुक हो गए। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद तिवारी ने से कहा कि मुझे नेतृत्व पर भरोसा है और मैं उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा। जब उनसे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की ओर से अपनी पार्टी की भारी जीत की भविष्यवाणी के बारे में पूछा गया, तो तिवारी ने कहा कि कांग्रेस नेता के अपने दावे हैं। राजनीति उन्होंने कांग्रेस के सीनियर नेता दिग्विजय सिंह की भी आलोचना करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश ने दिग्विजय सिंह के कारण नुकसान झेला है, इसलिए उनके (कांग्रेस के) स्वीकार किए जाने का कोई सवाल ही नहीं उठता। नरोत्तम मिश्रा हमारे संरक्षक और पार्टी के सीनियर नेता हैं।

दतिया उपचुनाव - कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने भरा पर्चा, जीतू पटवारी नहीं आए

दतिया।(आरएनएस)। दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन के आखिरी दिन सियासी हलचल चरम पर पहुंच गई है। कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में अपना नामांकन दाखिल कर दिया है।

पर्चा दाखिल करते समय उनके साथ नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और विधायक फूल सिंह बरैया मौजूद रहे, हालांकि इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी नदारद दिखे। जीतू पटवारी रविवार शाम से ही दतिया में डेरा डाले हुए हैं और नाराज नेताओं को साधने में जुटे हैं। टिकट न मिलने से असंतुष्ट अवधेश नायक को मनाने वे उनके घर पहुंचे और वहां रात्रि भोजन भी किया। इसके बाद वे पूर्व विधायक राजेंद्र भारती से मिलने उनके निवास पहुंचे। दूसरी तरफ, भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी का नामांकन दाखिल कराने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दोपहर 1:30 बजे दतिया पहुंच रहे हैं। सीएम भाजपा प्रत्याशी का पर्चा भरवाने के बाद एक बड़ी जनसभा और रोड शो की अगुवाई करेंगे। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी मौजूद रहेंगे। टिकट बदले जाने के बाद पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा की सक्रियता और उनके संबोधन पर भी सबकी निगाहें टिकी हुई हैं, जो समर्थकों के लिए बड़ा संदेश साबित होगा।

सीएम मोहन यादव की सुरक्षा में बड़ी चूक, हेलीकॉप्टर के ऊपर मंडराता रहा ड्रोन, जांच में जुटी पुलिस

भिंड. (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी चूक सामने आई है.. भिंड जिले में दंदरौआ हनुमान मंदिर में दर्शन के बाद मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से ग्वालियर रवाना होने के लिए हेलीपैड पहुंचे. सीएम के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला तथा भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र नरवरिया भी हेलीकॉप्टर में सवार हो चुके थे. इसी दौरान हेलीपैड के ऊपर एक ड्रोन उड़ता दिखाई दिया.

हेलीपैड के ऊपर ड्रोन मंडराता देख पायलट ने सुरक्षा कारणों से तत्काल टेकऑफ से मना कर दिया. इसके चलते मुख्यमंत्री और अन्य जनप्रतिनिधियों को करीब 10 मिनट तक हेलीकॉप्टर में ही इंतजार करना पड़ा. सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं और ड्रोन की तलाश शुरू कर दी. तलाशी के दौरान दंदरौआ हनुमान मंदिर की छत पर राघवेंद्र खेमरिया नामक युवक ड्रोन उड़ाते हुए मिला. पुलिस ने तत्काल ड्रोन नीचे उतरवाकर उसे हिरासत में ले लिया और ड्रोन जब्त कर लिया.

इंटरनेट मीडिया देखता है राघवेंद्र

जानकारी के अनुसार राघवेंद्र मंदिर के इंटरनेट मीडिया से जुड़े कार्यों का संचालन करता है और कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग के लिए ड्रोन उड़ा रहा था. हालांकि मुख्यमंत्री के उड़ान क्षेत्र में ड्रोन संचालन की अनुमति थी या नहीं तथा सुरक्षा प्रोटोकाल का उल्लंघन कैसे हुआ, इसकी जांच की जा रही है.

सुरक्षा एजेंसी की अनुमति के बाद उड़ा हेलीकॉप्टर

ड्रोन जब्त और सुरक्षा एजेंसियों की अनुमति मिलने के बाद मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर ग्वालियर के लिए रवाना हुआ. घटना को मुख्यमंत्री की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला मानते हुए पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है. दंदरौआ धाम के हेलीपैड के ऊपर उड़ रहे ड्रोन को जब्त कर लिया गया है.

राम मंदिर चढ़ावा विवाद में नया मोड़, सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब... केंद्र और यूपी सरकार को भी नोटिस जारी

नई दिल्ली-(आरएनएस)। अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया है। अदालत ने मामले की जांच के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल की स्टेटस रिपोर्ट भी तलब की है। याचिकाओं में राम जन्मभूमि मंदिर को मिले चढ़ावे में कथित अनियमितताओं की स्वतंत्र और न्यायालय की निगरानी में जांच कराने की मांग की गई है। मामले की सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश (ष्टछ्वढ्ढ) सूर्य कांत तथा जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की पीठ ने की। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित स्ढ्ढञ्ज अपनी स्टेटस रिपोर्ट अदालत में पेश करे। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि रिपोर्ट में के गठन से संबंधित पूरी जानकारी शामिल की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 20 जुलाई को निर्धारित की है। साथ ही राम मंदिर का प्रबंधन करने वाले श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से भी याचिकाओं पर जवाब मांगा है। अब अगली सुनवाई में कोर्ट स्ढ्ढञ्ज की रिपोर्ट और संबंधित पक्षों के जवाब पर आगे विचार करेगा।

बांग्लादेश के आईपी एड्रेस से आया मेल, अलर्ट पर हरियाणा पुलिस

पीएम मोदी की रैली में बम ब्लास्ट की धमकी

हरियाणा।(आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के गुरुग्राम में एक बार फिर बड़े पैमाने पर सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है। साइबर अपराधियों ने एक ईमेल भेजकर शहर के तीन प्रतिष्ठित स्कूलों एमिटी स्कूल, सालवन पब्लिक स्कूल, एयरफोर्स स्कूल और जिला सचिवालय (मिनी सेक्रेटेरिएट) को बम से उड़ाने की धमकी दी है। इस सूचना के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। शुरुआती तकनीकी तफ्तीश में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि इस धमकी भरे संदेश को भेजने के लिए बांग्लादेश के इंटरनेट प्रोटोकॉल एड्रेस का इस्तेमाल किया गया था। इस ईमेल ने सुरक्षा एजेंसियों के कान इसलिए भी खड़े कर दिए हैं

गरीब ई-रिक्शा ड्राइवर रातों-रात बना अरबपति ? 1100 रुपये पेंशन निकालने आए बुजुर्ग का बैलेंस देखते ही उड़ गए होश

बिहार।(आरएनएस)। बिहार के गयाजी में एक ई-रिक्शा चालक के बैंक खाते में अचानक करीब 7.60 अरब रुपये का बैलेंस दिखाई देने से सनसनी फैल गई। डेल्हा थाना क्षेत्र के बागेश्वरी मोहल्ला निवासी शिव कुमार पटेल शनिवार को अपनी वृद्धावस्था पेंशन की राशि निकालने के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के ग्राहक सेवा केंद्र पहुंचे थे। आधार आधारित बैंकिंग सेवा के जरिए उन्होंने अपने खाते से एक हजार रुपये निकाले। निकासी के कुछ ही देर बाद उनके मोबाइल पर बैंक का एसएमएस आया, जिसने सभी को हैरान कर दिया। उपलब्ध शेष राशि के रूप में करीब 7 अरब 60 लाख रुपये का बैलेंस दिखाई दे रहा था। शिव कुमार और सीएसपी संचालक ने पहले इसे मजाक समझा, लेकिन संदेश दोबारा देखने पर दोनों हैरान रह गए। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कुछ ही समय में यह खबर पूरे बागेश्वरी इलाके में फैल गई। बड़ी संख्या में लोग शिव कुमार के घर पहुंचने लगे। कोई इसे बैंकिंग सिस्टम की तकनीकी गड़बड़ी बता रहा था, तो कोई मजाक में उन्हें अरबपति शिव पटेल कहकर संबोधित करने लगा। पूरे दिन यह मामला इलाके में चर्चा का विषय बना रहा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शिव कुमार ने इस संबंध में अपने एक परिचित की मदद से सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की स्टेशन रोड शाखा के प्रबंधक से फोन पर बात की। बैंक प्रबंधक ने बताया कि दूसरा शनिवार और रविवार होने के कारण शाखा बंद है। पूरे मामले की जांच सोमवार को की जाएगी।

शादी से लौट रहे मेहमानों की पिकअप दो ट्रकों के बीच पिसी, 13 की मौत, 5 घायल

जकार्ता.(आरएनएस)। इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर शादी समारोह से लौट रहे लोगों से भरी एक पिकअप दो ट्रकों के बीच फंस गई, जिससे 13 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए. हादसा रविवार दोपहर इंद्रामायु रीजेंसी के कियाजारन कुलोन गांव के पास उत्तरी तटीय हाईवे पर हुआ. पुलिस मामले की जांच कर रही है. स्थानीय यातायात पुलिस प्रमुख उंदांग स्यारिफ हिदायत ने बताया कि सभी लोग पड़ोसी परेआन गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे. सभी यात्री एक खुली पिकअप में सवार थे. प्रारंभिक जांच के अनुसार, हाईवे पर यू-टर्न लेने के लिए चालक ने डिवाइडर के कट के पास पिकअप की रफ्तार धीमी कर उसे रोक दिया. इसी दौरान पीछे से उसी दिशा में आ रहे एक विंग बॉक्स ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी. पहली टक्कर के बाद पिकअप अनियंत्रित होकर सामने वाली लेन में पहुंच गई, जहां विपरीत दिशा से आ रहे दूसरे ट्रक से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई.

झारखंड - मानवता शर्मसार, 3 साल की मासूम से दुष्कर्म पर पंचायत ने लगाया 1 लाख का जुर्माना, शराब-मांस पार्टी की

रांची.(आरएनएस)। झारखंड के गुमला जिले से एक ऐसा हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जिसने न सिर्फ इंसानियत बल्कि सामाजिक और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. यहाँ एक तीन साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात के बाद पुलिस को सूचना देने के बजाय गाँव में ही पंचायत बैठा दी गई. आरोप है कि पंचायत ने कानून को ताक पर रखकर आरोपी पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया और मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की. इतना ही नहीं, क्रूरता और संवेदनहीनता की हद तब पार हो गई जब आरोपी द्वारा मौके पर दिए गए 20 हजार रुपये से गाँव के कुछ लोगों ने शराब और मांस की पार्टी कर डाली. यह पूरा मामला तब उजागर हुआ, जब गाँव के ही एक जागरूक नागरिक ने गुप्त रूप से पुलिस को इसकी सूचना दे दी. घटना घाघरा थाना क्षेत्र के पलमा गाँव की है. पुलिस के अनुसार, घटना शाम करीब चार बजे की है. आरोपी सुनील लोहरा पीड़िता के घर पहुँचा. उस समय घर में बच्ची अपनी माँ के साथ थी. आरोपी ने महिला से कहा कि वह बच्ची को संभाल लेता है, तब तक वह अपना काम निपटा ले. पड़ोसी पर भरोसा कर माँ अपने काम में लग गई. इसी बीच आरोपी बच्ची को अपने साथ कमरे में ले गया. कुछ देर बाद जब कमरे से बच्ची के चीखने-चिल्लाने और रोने की आवाज आई, तो माँ भागकर वहाँ पहुँची. बच्ची लहूलुहान और गंभीर रूप से घायल थी. इसके बाद परिवार को दुष्कर्म का पता चला और पूरे गाँव में हड़कंप मच गया. इतने गंभीर अपराध के बाद सबसे पहला काम पुलिस को सूचना देना था, लेकिन गाँव के कुछ रसूखदार लोगों ने मामले को दबाने की योजना बनाई. पहले बच्ची को गुपचुप तरीके से एक निजी डॉक्टर के पास ले जाया गया. इसके बाद रविवार को बाकायदा पंचायत बुलाई गई. पंचायत के सदस्यों ने कानून को अपने हाथ में लेते हुए आरोपी पर 1 लाख रुपये का जुर्माना ठोक दिया. सूत्रों के मुताबिक, आरोपी ने मौके पर ही 20 हजार रुपये नकद दे दिए, जबकि बाकी के 80 हजार रुपये एक हफ्ते के भीतर देने का फरमान सुनाया गया. मामले का सबसे घिनौना और संवेदनहीन पहलू यह रहा कि आरोपी से वसूले गए 20 हजार रुपये से गाँव में तुरंत शराब और मांस की पार्टी शुरू हो गई.

पवन खेड़ा का बड़ा आरोप

पीएम मोदी नेतन्याहू से प्रेरित, लोकतंत्र में नहीं यकीन

नई दिल्ली-(आरएनएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वे विचारधारा के स्तर पर इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से प्रेरित हैं।,ह्लढ्ढ से बात करते हुए खेड़ा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते और उन्होंने भारत में पेगासस निगरानी विवाद को लेकर सवाल उठाए। खेड़ा ने पूछा कि असल बात तो यह है कि नरेंद्र मोदी नेतन्याहू से प्रेरित हैं। वह लोकतंत्र में यकीन नहीं रखते। उनके रोल मॉडल नेतन्याहू हैं। तो, जिस व्यक्ति के रोल मॉडल, हीरो या आइकन नेतन्याहू हों, क्या आप उससे किसी बेहतर चीज़ की उम्मीद कर सकते हैं? इस देश में पेगासस कौन लाया, राहुल गांधी या नरेंद्र मोदी? पेगासस स्पाइवेयर का मामला 2021 में तब सामने आया जब आरोप लगे कि इज़राइली ह्रस्ह्र ग्रुप के सॉफ़्टवेयर का इस्तेमाल सरकारों ने पत्रकारों, विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं की निगरानी के लिए किया था। भारतीय जनता पार्टी ने इन आरोपों से इनकार किया है।

तमिलनाडु -मदुरै में हाईवे पर भीषण सड़क हादसा, दो बसों की टक्कर, 6 की मौत, 41 घायल

मदुरै. (आरएनएस)। तमिलनाडु में मदुरै के कोट्टमपट्टी के पास सोमवार को एक प्राइवेट ओमनी बस और तमिलनाडु सरकार की बस की आमने-सामने हुई टक्कर में एक महिला समेत छह लोगों की मौत हो गई जबकि 41 लोग घायल हो गए. केएमआर ट्रांज नाम की एक प्राइवेट ओमनी बस सुबह मदुरै जिले के कोट्टमपट्टी के पास वंचिनागरम फोर-लेन रोड पर चेन्नई से मार्तंडम जा रही थी. बस के नीचे और ऊपर के फ्लोर में बेड लगे थे. रास्ते में अचानक ड्राइवर का बस पर कंट्रोल नहीं रहा और बस रोडब्लॉक पार करके उल्टी दिशा में सड़क पर पहुंच गई.

यह एक्सीडेंट तब हुआ जब एक प्राइवेट ओमनी बस तिरुचिरापल्ली की ओर जा रही एक सरकारी बस से टकरा गई. हाईवे पेट्रोल पुलिस ने कन्फर्म किया कि दोनों बसों में सवार पांच पुरुषों और एक महिला समेत छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. प्राइवेट ओमनी बस वंचिनागरम गांव में बस स्टॉप के बाईं ओर बस स्टॉप से टकरा गई. वहां सो रहा एक व्यक्ति भी बस की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई. एक्सीडेंट में करीब 41 लोग घायल हुए हैं और उन्हें मेलूर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. कुछ यात्रियों को गंभीर चोटें आईं और उन्हें आगे के इलाज के लिए सरकारी राजाजी अस्पताल रेफर कर दिया गया. डिप्टी डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस अभिनव कुमार और सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस देवनाथन ने मौके का दौरा किया है और मामले की जांच कर रहे हैं. वे मरने वालों की जानकारी भी इकट्ठा कर रहे हैं. कोट्टमपट्टी पुलिस स्टेशन के अनुसार सरकारी बस में सवार तीन लोग, ओमनी बस में सवार दो लोग और बस स्टॉप पर सो रहे एक व्यक्ति की इस हादसे में मौत हो गई. मरने वालों की पहचान सिरियापुष्पम, आनंदराज, सूर्या, मोहम्मद यासीन और अब्राहम के रूप में हुई है. मदुरै के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर निशांत कृष्णा ने मेलूर सरकारी हॉस्पिटल में मरीजों से मुलाकात की और उन्हें दिए जा रहे इलाज के बारे में पूछा.

थाईलैंड - बैंकॉक के पब में लगी भीषण आग, अब तक 27 लोगों की मौत, कई घायल

बैंकॉक.(आरएनएस)। थाईलैंड के बैंकॉक के चतुचक जिले में लाट फ्राओ रोड के पास एक पब में आग लगने से 27 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों अन्य घायल हो गए. थाईलैंड मीडिया ने बताया कि आग स्थानीय समयानुसार रविवार रात करीब 11:57 बजे लगी और बाद में बुझा दी गई. घायलों को इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया. थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल सोमवार सुबह 1:44 बजे मौके पर पहुंचे और कहा कि ज्यादातर लोगों की मौत धुएं में सांस लेने से हुई. आग लगने के कारणों की जांच चल रही है. इस बीच, बैंकॉक के गवर्नर चैडचार्ट सिट्टीपंट ने सोमवार को जानकारी दी कि थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में रविवार देर रात एक पब में लगी जानलेवा आग में घायल 63 लोगों में से 22 की हालत गंभीर बनी हुई है. चैडचार्ट ने आग लगने की जगह का जायजा लिया. इसके बाद उन्होंने स्थानीय मीडिया से बताया कि इमरजेंसी कॉल मिलने के तुरंत बाद फायरफाइटर्स मौके पर पहुंच गए थे, लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही पब के अंदर आग तेजी से फैल चुकी थी. चैडचार्ट ने कहा कि 27 पीड़ितों में से सिर्फ छह की ही अभी तक आधिकारिक पहचान हो पाई है. सबसे जरूरी बात मरने वालों और घायलों के परिवारों से संपर्क करना है. स्थानीय मीडिया ने बताया कि बचाव दल को मौके पर कई मोबाइल फोन मिले.

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना अधारताल में श्रीमति उर्मिला कोरी उम्र 45 वर्ष निवासी कुठला जिला कटनी ने लिखित शिकायत की कि उसकी पुत्री नंदनी कोरी का विवाह 7 वर्ष पहले वीरेन्द्र कोरी निवासी अमखेरा से हुआ था विवाह के बाद से नंदनी का पति वीरेन्द्र एवं सास जयंती कोरी द्वारा नंदनी के साथ घरेलू विवाद कर मारपीट करते थे तथा घर से मायके भगा देते थे वह बेटी नंदनी को समझाइस देकर वापस ससुराल भेज देती थी, बेटी नंदनी मायके से कुछ रूपये, सोने चांदी के गहने मायके से ससुराल लेकर जाती थी जिन्हें पति वीरेन्द्र द्वारा लेकर बेच देता था

पाटन के ग्राम गाड़ाघाट में किसान से मिली सूचना पर जब्त की गई थी नकली डीएपी की 22 बोरियां.

परीक्षण में अमानक पाये जाने पर पाटन थाने में दर्ज कराई गई एफआईआर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जिले के विकासखंड पाटन के ग्राम गाड़ाघाट में कृषि और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा गत दिनों नकली होने की आशंका पर जब्त की गई डीएपी खाद की विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त हो जाने के बाद कृषि विभाग की ओर से आज सोमवार को पाटन थाने में एफआईआर दर्ज करा दी गई है।

अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन से प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्व और कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने धनेटा के एक जागरूक किसान से मिली सूचना पर तीन जुलाई को छापामार कार्यवाही कर ग्राम गाडाघाट में नकली डीएपी की 22 बोरियां जब्त की थी। नकली डीएपी खाद इफ्को कंपनी की बोरियों में भरकर रखी गई थीं। जब्त की गई खाद के सेम्पल परीक्षण हेतु उर्वरक जांच प्रयोग शाला भेजे गये थे। अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा लगातार चलाये जा रहे प्रचार-प्रसार अभियान से जागरूक होकर ग्राम धनेटा के एक किसान ने नकली उर्वरक की पहचान कर ग्राम इसकी सूचना एसडीएम पाटन मानवेन्द्र सिंह को दी थी। किसान से सूचना प्राप्त होते ही एसडीएम पाटन के निर्देश पर नायब तहसीलदार रश्मि चौधरी एवं पटवारी सत्येन्द्र चौरसिया तुरंत जांच के लिए ग्राम गाड़ाघाट पहुंचे। वहां अवैध नकली डीएपी पाए जाने पर अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठी को सूचित किया गया। इसके बाद अनुविभागीय कृषि अधिकारी के निर्देशों का पालन करते हुए उर्वरक निरीक्षक पाटन पंकज कुमार श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पाटन श्रीमती सीमा राउत की टीम ने तत्काल गाड़ाघाट में प्रकाश बर्मन पिता दयाशंकर बर्मन के घर पर छापामार कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान प्रकाश बर्मन के घर से इफको कंपनी के नाम की 22 बोरी अवैध नकली डीएपी रखी पाई गई। टीम द्वारा मौके पर ही स्थल पंचनामा और जब्ती की कार्रवाई की गई। जब्त की गई सभी 22 बोरियों को थाना प्रभारी पाटन के सब इंस्पेक्टर आकाशदीप साहू के सुपुर्द कर थाना पाटन में जमा कराया गया है। इफ्को कंपनी के उप प्रबंधक ने थाना पहुचकर बोरी का निरीक्षण कर अपने लिखित प्रतिवेदन में बताया की पायी गई डीएपी की बोरी की सिलाई सफेद रंग के धागे से है, जबकि इफ्को द्वारा हरे रंग का धागा उपयोग किया जाता है। इससे यह प्रतीत होता है की यह डीएपी के बैग इफ्को कंपनी के नहीं है ।

उर्वरक निरीक्षक पंकज कुमार श्रीवास्तव द्वारा पाई गई डीएपी की बोरियों से नमूने लेकर उर्वरक जांच प्रयोगशाला में भेजा गया था। परीक्षण में नाइट्रोजन 0.5 प्रतिशत एवं फास्पोरस 0.5 प्रतिशत पाया गया, जबकि डीएपी खाद में 18 प्रतिशत नाइट्रोजन एवं 46 प्रतिशत फास्पोरस होता है। इस मामले में आरोपी प्रकाश बर्मन के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 की धारा 7 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 का उल्लंघन पाया गया। प्रकरण में उर्वरक निरीक्षक पाटन पंकज श्रीवास्तव द्वारा थाना पाटन में एफ आईआर दर्ज कराई गई ।

कदीर सोनी के भाई के निधन पर शोक व्यक्त करने पहुंचे सांसद विवेक तन्खा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। राज्यसभा सांसद एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता विवेक कृष्ण तन्खा ने जेडीए के पूर्व उपाध्यक्ष कांग्रेस नेता कदीर सोनी के निवास पहुंचकर उनके भाई स्व. हाजी रशीद सोनी के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की. इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की.

सांसद विवेक तन्खा ने कहा कि स्वर्गीय हाजी रशीद सोनी का सामाजिक जीवन प्रेरणादायी रहा और उनका निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है. उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिवार को इस कठिन समय में दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की. इस अवसर पर सरदार हामिद हुसैन, सैयद ताहिर अली, आरिफ़ बेग, अतुल बाजपेई, अशरफ़ मंसूरी, गुलाम हुसैन, अख्तर अंसारी, याकूब अंसारी, गुड्डू नवी, वकील अंसारी, हाजी मुहम्मद सलीम, दिलीप साहू, शमीम अंसारी, बाबा रिज़वान, फिरदौस अहमद, जय ठाकुर, रज्जू सराफ, परवेज़ अख्तर, शादाब अंसारी, समीर खान, शफीक अंसारी, मजहर उस्मानी, एड. अल्तमश खान, हसीब खान, शाबान मंसूरी, सरफराज खान, शोएब खान, परवेज़ मंसूरी, इस्लाम सोनी, नायाब कुरैशी, शाकिर कुरैशी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे.

आज सायंकाल जलापूर्ति प्रभावित रहेगी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नगर निगम के अधीक्षण यंत्री और जल विभाग के प्रमुख कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि नर्मदा जल प्रदाय योजनांतर्गत 120 एम.एल.डी. रमनगरा जलशोधन संयंत्र में संधारण कार्य किया जाना है, जिसके चलते आज दिनांक 14 जुलाई 2026 को सायंकालीन जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। उक्त संयंत्र से भरी जाने वाली टंकियॉं क्रमशः बिड़ला धर्मशाला, मेडिकल, त्रिपुरी, गुलौआ, राईट टाउन, रामेश्वरम, मनमोहन नगर, लक्ष्मीपुर, कोतवाली, मोतीनाला, आनंद नगर, लेमा गार्डन, सर्वोदय नगर, मदर टेरेसा, बेदी नगर, मिल्क स्कीम, किलकारी गार्डन, न्यू शोभापुर, राजीव नगर, तथा अमृत योजना की क्रमशः कोंगवा, करमेता, शिवनगर अमखेरा, रविन्द्र नगर, सुहागी, खैरी व देवताल उच्चस्तरीय टंकियों से जलापूर्ति अवरूद्ध रहेगी। प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति की जायेगी। उक्त अतिमहत्वपूर्ण कार्यो के संपादन के चलते क्षेत्रीय लोगों को होने वाली असुविधा के लिए महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'', जल प्रभारी एम.आई.सी. सदस्य दामोदर सोनी एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने खेद व्यक्त किया है।

विश्वकर्मा समाज ने जेडीए अध्यक्ष को सौंपा मांग पत्र

प्रस्तावित फ्लाइओवर का नाम भगवान श्री विश्वकर्मा फ्लाइओवर करने की मांग

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। श्री विश्वकर्मा महासंगठन द्वारा जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष संदीप जैन से जीरो डिग्री से धन्वन्तरि नगर को जोडने् वाले प्रस्तावित फ्लाइ ओवर का नामकरण भगवान श्री विश्वकर्मा के नाम पर किए जाने की मांग की गई। महासंगठन की ओर से अध्यक्ष संदीप जैन को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि यह फ्लाइओवर शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा नागरिकों को सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण परियोजना है। संगठन ने जेडीए द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए इसे शहर के लिए एक बड़ी सौगात बताया है।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि प्रस्तावित फ्लाइओवर के समीप भगवान श्री विश्वकर्मा का भव्य मंदिर एवं धर्मशाला स्थित है, जो विश्वकर्मा समाज की आस्था का प्रमुख केंद्र है। भगवान श्री विश्वकर्मा को देव शिल्पी, वास्तु एवं निर्माण कला के जनक तथा सृष्टि के महान सृजनकर्ता के रूप में देशभर में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ पूजा जाता है। श्री विश्वकर्मा महासंगठन ने मांग की है कि फ्लाइओवर का नाम भगवान श्री विश्वकर्मा फ्लाइ ओवर रखा जाए। संगठन का कहना है कि इससे न केवल विश्वकर्मा समाज की भावनाओं का सम्मान होगा, बल्कि आने वाली पीढियों को भी भगवान श्री विश्वकर्मा के योगदान और सृजनशीलता की प्रेरणा मिल सकेगी। महासंगठन के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया है कि जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन समाज की इस जनभावना का सम्मान करते हुए प्रस्ताव पर सकारात्मक निर्णय लेंगे। इस दौरान महासंगठन के अध्यक्ष रमेश विश्वकर्मा, संजय विश्वकर्मा, गोविन्द अजय विश्वकर्मा, एड ओपी विश्वकर्मा, अरविन्द बन्टी विश्वकर्मा, अमित विश्वकर्मा, संतोष विश्वकर्मा, अजय शर्मा आदि है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत शिवपुरी रेलवे स्टेशन विकास के पथ पर अग्रसर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। समृद्ध अतीत, ऐतिहासिक विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य की नगरी मध्य प्रदेश का शिवपुरी रेलवे स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत अब एक नए आधुनिक स्वरूप में विकसित किया गया है जो विरासत से विकास तक की प्रगतिशील यात्रा का एक पर्याय है । पश्चिम मध्य रेल के अंतर्गत आने वाले शिवपुरी रेलवे स्टेशन के विकास में स्थानीय कला व संस्कृति की झलक के साथ आधुनिकता, यात्री सुविधाओं और सुगमता का पूरा ध्यान रखा गया है। शिवपुरी रेलवे स्टेशन अनेकों स्थानों को तो जोड़ता ही है साथ ही एक महत्वपूर्ण पर्यटक स्थल भी है।

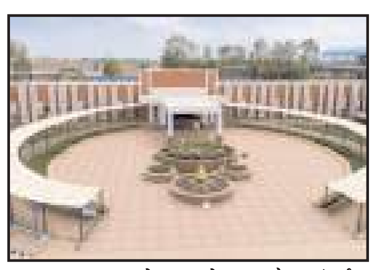

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत शिवपुरी रेलवे स्टेशन के पुनर्निर्माण एवं आधुनिकीकरण के काम में लगभग 22 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित किया गया है। योजना के तहत स्टेशन को आधुनिक, सुविधायुक्त एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान करने हेतु विभिन्न विकास कार्य किये गये हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में सुधार एवं सौंदर्यीकरण का कार्य, प्लेटफॉर्म पर कवर ओवर शेड की व्यवस्था और शेड विस्तार का कार्य भी किया गया है। स्टेशन के अग्रभाग एवं आंतरिक हिस्सों को अपग्रेड करते हुए उन्हें आधुनिक स्वरूप दिया गया है। बेहतर यात्री सुविधाओं की दिशा में नए प्रतीक्षालय और शौचालय का निर्माण एक महत्वपूर्ण कदम है। स्टेशन पर नए फुट ओवर ब्रिज के साथ नए स्टेशन भवन का निर्माण भी किया गया है, जो भव्य, आधुनिक व आकर्षक है बुकिंग काउंटर पहले से अब बेहतर और सुविधाजनक हो गए हैं। दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए स्टेशन को 'दिव्यांगजन अनुकूल' बनाया गया है, जिसके अंतर्गत रैंप, टैक्टाइल पाथ एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की गई हैं। साथ ही सुरक्षित आवागमन हेतु स्टेशन परिसर में बेहतर प्रकाश की व्यवस्था की गई है, जो स्टेशन को एक आकर्षक स्वरूप भी प्रदान करती है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत नया शिवपुरी रेलवे स्टेशन बदलते भारत की एक नई तस्वीर है। यह स्टेशन न सिर्फ बेहतर यात्री सुविधाओं, सुरक्षा और बदलाव का प्रतीक है बल्कि स्थानीय प्रगति, पर्यटन और आवागमन को एक नई रफ्तार के साथ आगे बढ़ाएगा।

प्रमोशन में आरक्षण के प्रकरणों की विशेष बेंच करेगी सुनवाई कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने प्रकरणों से अपने आप को किया पृथक

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में प्रमोशन में आरक्षण से संबंधित नियमों की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई कार्यवाहक मुख्य न्यायमूर्ति विवेक रूसिया एवं जस्टिस विनय श्रॉफ की खंडपीठ मे सूची वद्ध थी अंतरिम राहत पर याचिका कर्ताओ के अधिवक्ताओ की लंबी बहस के बाद कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के समक्ष जब आर.बी राय का हवाला आया तो उन्होंने उक्त केस से अपने आप को एक अधिवक्ता के रूप मे बकाळातनामा पाया तों उन्होंने उक्त प्रकरणों को सुनने से शॉपिंग कर करते हुए कहा कि इस प्रकरण की सुनवाई करने के लिए एक-दो दिन में विशेष बेंच गठित करेंगे जो भी तारीख नियत होगी संबंधित अधिवक्ताओं को सूचित कर दिया जाएगा अजाक संघ की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर, विनायक प्रसाद शाह, पुष्पेंद्र कुमार शाह, परमानंद साहू, अभिलाष लोधी, अखिलेश प्रजापति उपस्थित रहे मध्य प्रदेश शासन की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह एवं सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन तथा याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधि.मनोज शर्मा नमन नगरथ उपस्थित हुए वही ज्ञात हुआ की

ओ.बी.सी. आरक्षण के समस्त 91 मामले तथा प्रमोशन में आरक्षण के मामलो की सुनवाई हेतु, कार्यवाहक मुख्य न्यायमूर्ति द्वारा गठित की गई स्पेशल बैंच कल आज मंगलवार को 2ः30 से जस्टिस विवेक अग्रवाल एवं जस्टिस विनय सराफ की खंडपीठ सुनवाई करेगी

हत्या के प्रयास मे आरोपी को मिला 3 वर्ष सश्रम कारावास

जबलपुर - न्यायालय स्वयं प्रकाश दुबे अपर सत्र न्यायाधीश पाटन के द्वारा पारित आदेश मे पाटन थानांतर्गत हत्या का प्रयास करने के आरोपी डोमन दाहिया पिता स्व. भोजराज दाहिया, उम्र- 65 वर्ष, निवासी- ग्राम भौरदा पाटन, जिला जबलपुर को धारा 326 भादवि के तहत 3 वर्ष सश्रम कारावास करावास एवं 10 हजार रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया है । अभियोजन द्वारा न्यायालय को बताया की 1 जुलाई 2020 को बच्चों के खेलने पर से वाद विवाद हो रहा था, तो उसी समय डोमन सिंह दाहिया हाथ में कुल्हाड़ी लेकर आया और उसके भाई पूरन दाहिया की पीठ में हत्या करने की नियत से पीछे से मारा प्रकरण पंजीबद्ध उपरांत आरोपी को गिरफ्तार कर गिरफ्तारी पत्रक तैयार किये गये तथा आहत पूरन की चिकित्सकीय रिपोर्ट प्राप्त होने पर तथा चिकित्सक द्वारा आहत पूरन को ग्रीवियस इंजुरी होना बेड-हेड टिकिट पर लेख किये जाने से धारा 326 भा.द.सं. का अपराध अभियोग पत्र में बढ़ाया गया था जाकर संपूर्ण विवेचना उपरांत आरोपीगण के विरूद्ध धारा 294, 323, 324, 506, 34, 326 भा0दं0सं0 का अभियोग पत्र माननीय न्यारयालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

शीघ्र प्राध्यापकों की वरिष्टता सूची जारी करें, जिससे प्राध्यापक से प्राचार्य पद पर पदोन्नति हो सके, प्राचार्य विहीन महाविद्यालयों को प्राचार्य मिल सके-संरक्षक डॉ. कैलाश त्यागी

महाविद्यालय प्राध्यापक संघ की बैठक संपन्न

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। प्रांतीय शासकीय महाविद्यालय प्राध्यापक संघ, जबलपुर संभाग की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें प्राध्यापक संघ के संरक्षक डॉ. कैलाश त्यागी एवं अध्यक्ष डॉ. आनंद शर्मा उपस्थित रहें। संरक्षक डॉ. कैलाश त्यागी ने कहा कि शासन से मांग की गई है कि शीघ्र प्राध्यापकों की वरिष्टता सूची जारी करें जिससे प्राध्यापक से प्राचार्य पद पर पदोन्नति हो सके और हमारे पूरे प्रदेश में प्राचार्य विहीन महाविद्यालयों को प्राचार्य मिल सके।

अध्यक्ष डॉ. आनंद शर्मा ने कहा कि उच्च शिक्षा मंत्री द्वारा आश्वासन दिया गया है कि शीघ्र ही वर्ष 2004-2005 में नियुक्त सहायक प्राध्यापकों की सभी समस्याओं का निदान किया जायेगा। क्रीड़ा अधिकारियों, ग्रंथपालों की सेवानिवृत्ति की आयु में वृद्धि हेतु विचार करने का आश्वासन दिया गया। प्राध्यापक संघ द्वारा लगातार प्रदेश स्तर पर क्षेत्रीय विधायकों एवं सांसदों को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंप कर प्राध्यापकों की समस्याओं से अवगत करायेगें। प्राध्यापक संघ के प्रयासों से आज प्राध्यापकों की सूची प्रसारित कर दी गई है। सभी को बधाई एवं जो शेष सहा-प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक अपने प्रतिवेदन शासन को प्रस्तुत करें। प्रो. अरुण शुक्ल, संभागीय अध्यक्ष ने बताया कि वर्षों से लंबित मांगों के कारण प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, क्रीड़ा अधिकारियों एवं ग्रंथपालों को अनेक प्रशासनिक एवं सेवा संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। डॉ. शुक्ल ने कहा कि शासन द्वारा इस प्रकार के आदेश प्रसारित न किये जायें जिससे प्राध्यापकों को बार-बार कोर्ट में जाकर अपने न्याय के लिए कोर्ट केस दाखिल करना पड़े। आज लगातार शासन के विभिन्न विरोधाभासी पत्रों के कारण उच्च शिक्षा विभाग के कोर्ट केसों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिस पर शासन को विचार करना चाहिये। अपने स्तर पर ही प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। प्रांतीय शासकीय महाविद्यालय प्राध्यापक संघ, जबलपुर संभाग एवं जिला इकाई जबलपुर संभागीय अध्यक्ष प्रो. अरुण शुक्ल, जिला अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र श्रीवास्तव एवं डॉ. राजीव मिश्रा द्वारा माननीय श्री अशोक रोहाणी, विधायक, केन्ट विधानसभा, जबलपुर को उच्च शिक्षा विभाग से संबंधित विभिन्न लंबित मांगों के निराकरण हेतु माननीय मुख्यमंत्री जी के नाम ज्ञापन सौंपा। श्री रोहाणी द्वारा आश्वासन दिया गया कि उच्च शिक्षा मंत्री जी से मिलकर प्राध्यापकों की समस्याओं के समाधान हेतु चर्चा की जायेगी।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र श्रीवास्तव, डॉ. गुप्ता, डॉ. ज्योति जुनगरे उपस्थित रही।

विस्फोटक पदार्थों के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय स्थलों की जांच के लिए दल गठित.

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी राघवेन्द्र सिंह ने जिले में बारहमासी फटाका संग्रहण, विक्रय एवं निर्माण स्थलों तथा विस्फोटक सामग्री के निर्माण, परिवहन, भंडारण एवं विक्रय से संबंधित लाइसेंसधारियों के प्रतिष्ठानों की सघन जांच के लिए पांच दलों का गठन किया गया है।

मध्यप्रदेश शासन के गृह विभाग के निर्देशों के अनुपालन में गठित पांचों जांच दलों की कमान संयुक्त कलेक्टर तथा नगर पुलिस अधीक्षक अथवा अनुविभागीय पुलिस अधिकारी को सौंपी गई है। प्रत्येक दल में संबंधित क्षेत्र के अतिरिक्त या नायब तहसीलदार एवं नगर निगम के फायर अधिकारी को भी शामिल किया गया है।

आधारताल एवं रांझी अनुविभाग के विस्फोटक भंडारण केंद्रों की जांच की जिम्मेदारी संयुक्त कलेक्टर मानवेन्द्र सिंह तथा अनुविभागीय पुलिस अधिकारी बरगी अंजुल अयंक के नेतृत्व में गठित दल को सौंपी गई है।

अनुविभाग जबलपुर के विस्फोटक भंडारण केंद्रों की जांच के लिये तीन दल गठित किये गये हैं। इनमें सयुंक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति परस्ते एवं नगर पुलिस अधीक्षक रीतेश कुमार शिव, सयुंक्त कलेक्टर सृष्टि प्रजापति एवं अनुविभागीय पुलिस अधिकारी पाटन लोकेश डाबर तथा सयुंक्त कलेक्टर अनुराग सिंह एवं नगर पुलिस अधीक्षक गढ़ा आशीष जैन के नेतृत्व में गठित जाँच दल शामिल हैं। इन तीनों जांच दलों को नौ-नौ लायसेंसियों के विस्फोटक भंडारण केंद्रों की जांच का दायित्व सौंपा गया है। इसी प्रकार कुंडम, पाटन एवं सिहोरा अनुविभाग के विस्फोटक भंडारण केंद्रों की जांच सयुंक्त कलेक्टर पंकज मिश्रा एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती राजेश्वरी कौरव के नेतृत्व में गठित दल करेगा।

जांच के दौरान लाइसेंस की वैधता, भंडारण क्षमता, सुरक्षा मानकों का पालन, परिसर का भौतिक सत्यापन, स्टॉक रजिस्टर, फायर सेफ्टी प्रमाण पत्र तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की गहन जांच की जाएगी। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर उसका उल्लेख करते हुए विस्तृत प्रतिवेदन जिला प्रशासन को प्रस्तुत किया जाएगा।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान जिले में बारहमासी फटाकों और विस्फोटक पदार्थों के सुरक्षित निर्माण एवं भंडारण एवं उपयोग को सुनिश्चित करने तथा संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। सभी जांच दलों को निर्धारित समय-सीमा में जांच पूरी कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

भोपाल - खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को भोपाल स्थित मध्यप्रदेश राज्य घुड़सवारी अकादमी का निरीक्षण कर उपलब्ध खेल सुविधाओं, प्रशिक्षण व्यवस्थाओं तथा निर्माणाधीन अधोसंरचना का अवलोकन किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों के साथ समीक्षा बैठक कर अकादमी के समग्र विकास, खिलाड़ियों के प्रदर्शन तथा घुड़सवारी खेल को प्रदेश में अधिक लोकप्रिय बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने सर्वप्रथम अकादमी के अस्तबल का निरीक्षण कर घोड़ों के रख-रखाव, स्वास्थ्य एवं प्रशिक्षण संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की।

प्राप्त निवेश से 34 हज़ार से अधिक रोजगार होंगे सृजित- 28 हज़ार 200 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी योजनाएँ धरातल पर हुई साकार-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 का किया शुभारंभ

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 में लगभग 40 हज़ार करोड़ के निवेश हुए प्राप्त- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल - (आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 में 51 प्रमुख गतिविधियाँ संपन्न हुई इन गतिविधियों से लगभग 40 हजार करोड़ रूपये का निवेश और 34 हजार से अधिक रोजगार अवसरों का मार्ग प्रशस्त्र हुआ है। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 की यात्रा में राज्य सरकार ने अपने सभी संकल्पों को पूरा किया है। पिछले 2 टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव के माध्यम से प्रदेश को 46 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के बाद से टेक्नोलॉजी क्षेत्र में 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर आया है। इस अवधि में 22 नई औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण और 4 नई परियोजनाओं का भूमि-पूजन किया गया है, जो राज्य सरकार की कार्य गति और आत्मविश्वास का परिचायक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को भोपाल में एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 जीसीसी, डेटा सेंटर एवं सेमीकंडक्टर के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी क्षमता, योग्यता और बुद्धिमत्ता के आधार पर विश्व में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत का गौरवशाली अतीत पूरी दुनिया के सामने है और पिछले 12 वर्षों में भारत ने विश्व के सबसे तेज गति से विकसित होने वाले देशों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि भारत सभी क्षेत्रों में दुनिया को नई दिशा दे रहा है और इस विकास यात्रा में मध्यप्रदेश भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कृषि, खनिज और वनों की पारंपरिक पहचान से आगे बढ़ते हुए प्रदेश आज डिफेंस, ड्रोन, साइंस एंड टेक्नोलॉजी, रिन्यूएबल एनर्जी, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से लेकर फ्यूचर ग्रोइंग सेक्टर तक तेजी से प्रगति कर रहा है। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 प्रदेश की इसी विकास यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार एआई, डेटा सेंटर और सेमीकंडक्टर सहित सभी छोटे एवं बड़े उद्योगों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और सभी उद्योग समूहों को समान रूप से हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश साइंस सिटी, एआई, डीप टेक पार्क और डेटा सेंटर सहित विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार एआई सहित सभी क्षेत्रों में नवाचार, अनुसंधान, कौशल विकास और अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल है।यहाँ व्यक्ति अपनी पूरी क्षमता के साथ कार्य कर सकता है। मध्यप्रदेश की पहचान भारत रत्न से सम्मानित स्व? अटल बिहारी वाजपेयी से भी जुड़ी है, जिन्होंने देश के गौरवशाली अतीत से विश्व को परिचित कराया और संयुक्त राष्ट्र महासभा में राष्ट्रभाषा हिंदी में अपने विचार व्यक्त किए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी उसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए हिंदी में विश्व को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना के साथ आगे बढ़ते हुए मध्यप्रदेश में सभी क्षेत्रों में विकास की अपार संभावनाएं हैं। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक और सबसे युवा देश है। देश में प्रगति की असीम संभावनाएं हैं और राज्य सरकार युवाओं की योग्यता एवं क्षमता का पूरा उपयोग सुनिश्चित करते हुए उन्हें पर्याप्त रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश में विदेशी निवेश अब केवल एमओयू तक सीमित नहीं रहकर धरातल पर साकार हो रहा है। स्पेन, कनाडा, अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जापान, दक्षिण कोरिया, आयरलैंड और इंडो-जर्मन सहयोग सहित 8 देशों की 10 प्रमुख कंपनियों की 28 हजार 200 करोड़ रुपये से अधिक की निवेश परियोजनाएँ प्रदेश में ग्राउंडब्रेकिंग चरण में हैं। इनमें स्पेन की सबमर इंडिया प्रा.लि. द्वारा भोपाल में लगभग 20 हजार करोड़ रुपये (यूएसडी 2 बिलियन डॉलर) के एआई-रेडी डेटा सेंटर की स्थापना, कनाडा की मैक्केन फूड की 3,800 करोड़ रुपये की फूड प्रोसेसिंग इकाई, यूनाइटेड किंगडम की हेलियन (जीएसके) की 3 हजार करोड़ रुपये की फार्मास्यूटिकल्स परियोजना, जापान की टोपान स्पेशियलिटी फिल्म्स की 1,100 करोड़ रुपये की स्पेशियलिटी फिल्म्स इकाई शामिल है।

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के नगर मंडल अध्यक्ष बने प्रताप ठाकुर राजा

प्रदेश नेतृत्व की सहमति से मिली जिम्मेदारी, कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर

गोटेगांव प्रतिनिधि- भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक विस्तार के तहत अनुसूचित जनजाति मोर्चा में नई नियुक्ति की घोषणा की गई है। प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार प्रताप ठाकुर राजा को भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा का नगर मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नियुक्ति के बाद कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है तथा उन्हें लगातार बधाइयाँ मिल रही हैं।

जानकारी के अनुसार यह नियुक्ति भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के मार्गदर्शन में, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह टेकाम, पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक, मंडल अध्यक्ष अंजनी सोनी, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, विधायक महेंद्र नागेश तथा मंडल अध्यक्ष अंजनी सोनी, जिला अध्यक्ष रामकुमार ठाकुर की सहमति से घोषित की गई।

नव नियुक्त नगर मंडल अध्यक्ष प्रताप ठाकुर राजा ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने जिस विश्वास के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति समाज के बीच संगठन को और अधिक मजबूत करने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य किया जाएगा।

नियुक्ति की घोषणा के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रताप ठाकुर राजा का स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएँ दीं और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन को नई मजबूती मिलेगी।

मध्यप्रदेश राज्य टेक ई-पंचायत सोसाइटी की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

समयबद्ध डिजिटल सेवाओं और पंचायत ऑडिट को करे सुनिश्चित - मंत्री पटेल

भोपाल (आरएनएस)- पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मध्यप्रदेश राज्य टेक ई-पंचायत सोसाइटी की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि विभाग की सभी ऑनलाइन सेवाओं का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सेवा के लिए पोर्टल पर निर्धारित समय-सीमा प्रदर्शित हो तथा नागरिकों से जुड़ी प्राथमिकता वाली सेवाओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही पंचायत दर्पण पोर्टल के विकास एवं संधारण, विभागीय समेकित पोर्टल, पेसा एक्ट मॉड्यूल, भाषिणी के माध्यम से हिंदी अनुवाद सुविधा तथा सुगम मॉनिटरिंग प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

मंत्री श्री पटेल ने पंचायतों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए डिजिटल रिमोट ऑडिट सिस्टम को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पंचायत ऑडिट के लिए आवश्यक कानूनी प्रावधानों एवं प्रक्रियाओं को सुदृढ़ किया जाए, जिससे ऑडिट व्यवस्था अधिक पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी बन सके तथा पंचायतों में सुशासन एवं वित्तीय अनुशासन को और मजबूती मिले।

बैठक में बताया गया कि नागरिक सेवा पोर्टल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को अपनी भूमि एवं संपत्ति संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश की 10,554 ग्राम पंचायतों में अटल सेवा केंद्र (कॉमन सर्विस सेंटर) स्थापित किए जा चुके हैं तथा शेष ग्राम पंचायतों में केंद्र स्थापित करने की कार्यवाही सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड द्वारा की जा रही है। साथ ही 294 सेवाओं का एकीकरण कर ग्रामीण नागरिकों को विभिन्न सेवाएं एक ही मंच पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

गले में मूंग की माला पहन, सड़क पर फसल बिखेरकर जताया विरोध; एसडीएम को राज्यपाल के नाम सौंपा 7 सूत्रीय ज्ञापन

किसानों के हक की हुंकार- ट्रैक्टर रैली के साथ कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन

गोटेगांव प्रतिनिधि- किसानों की विभिन्न समस्याओं और लंबित मांगों को लेकर सोमवार को गोटेगांव में कांग्रेस ने बड़ा प्रदर्शन किया। ट्रैक्टर रैली, गले में मूंग की माला और सड़क पर मूंग बिखेरकर कांग्रेस नेताओं एवं किसानों ने सरकार की कृषि नीतियों के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किसानों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए एसडीएम कार्यालय तक मार्च निकाला, जहां राज्यपाल के नाम सात सूत्रीय मांगपत्र सौंपा गया।

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में किसान अपने ट्रैक्टरों के साथ शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश के किसान अपनी उपज का उचित मूल्य, समय पर भुगतान और पर्याप्त सिंचाई सुविधाओं के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रही है। किसानों ने गले में मूंग की मालाएं पहनकर यह संदेश देने का प्रयास किया कि मेहनत से पैदा की गई उपज का उन्हें उचित सम्मान और मूल्य नहीं मिल रहा है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी मिलना आवश्यक है, ताकि उन्हें अपनी उपज का उचित दाम सुनिश्चित हो सके। उन्होंने मूंग की शत-प्रतिशत सरकारी खरीदी की मांग करते हुए कहा कि यदि खरीदी सीमित रही तो हजारों किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा।

ज्ञापन में किसानों का बकाया भुगतान तत्काल करने, किसानों की कर्ज माफी, खाद की पर्याप्त एवं सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित करने, सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने सहित कुल सात प्रमुख मांगें शामिल की गईं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यदि सरकार ने शीघ्र निर्णय नहीं लिया तो किसानों के साथ मिलकर आंदोलन को और व्यापक स्वरूप दिया जाएगा।

प्रदर्शन में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। पूरे प्रदर्शन के दौरान प्रशासनिक अमला भी मुस्तैद रहा और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया।

कांग्रेस की प्रमुख मांगें

एमएसपी को कानूनी दर्जा दिया जाए।
मूंग की 100 प्रतिशत सरकारी खरीदी सुनिश्चित की जाए।
किसानों का लंबित भुगतान तत्काल किया जाए।
किसानों का कर्ज माफ किया जाए।
खाद की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था में सुधार किया जाए।
सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली आपूर्ति बढ़ाई जाए।
किसानों से जुड़े अन्य लंबित मुद्दों का शीघ्र समाधान किया जाए।
अब सबसे बड़ा सवाल...

कांग्रेस ने किसानों की समस्याओं को लेकर सड़क से लेकर प्रशासन तक अपनी आवाज बुलंद कर दी है। अब निगाहें सरकार पर टिकी हैं कि क्या किसानों की इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा, या फिर यह आंदोलन आने वाले दिनों में और अधिक उग्र रूप लेगा। किसान फिलहाल सरकार की अगली कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

वृक्षारोपण के साथ आत्मनिर्भरता का संदेश

सत्य साईं समिति ने शुरू की निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण पहल

गोटेगांव प्रतिनिधि- पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से सत्य साईं समिति द्वारा मणिनागेन्द्र सैनिक स्कूल परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मणिनागेन्द्र फाउंडेशन के सचिव एवं समाजसेवी सरदार पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सत्य साईं समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान समिति ने बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए तीन माह का निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण प्रारंभ करने की घोषणा की। प्रशिक्षण के उपरांत प्रतिभागियों की परीक्षा भी आयोजित की जाएगी, जिससे उन्हें कौशल विकास का प्रमाण प्राप्त हो सके और वे स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकें।

मुख्य अतिथि सरदार पटेल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और कौशल विकास जैसे कार्य समाज निर्माण की मजबूत नींव हैं। वृक्षारोपण के साथ युवतियों को रोजगारपरक प्रशिक्षण देना अत्यंत सराहनीय पहल है। महिला पतंजलि योग समिति की तहसील प्रभारी दुर्गा आर्य ने सत्य साईं समिति के इस जनहितकारी अभियान की प्रशंसा करते हुए समिति के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ-साथ बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

6 राज्य स्तरीय पुरस्कारों के लिए आवेदन की तिथि बढ़ाई

भोपाल -महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा वर्ष 2025 के राज्य और जिला स्तरीय पुरस्कारों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 31 अगस्त 2026 कर दिया गया है।विभाग को पूर्व में तय समय-सीमा के भीतर बेहद कम संख्या में आवेदन प्राप्त हुए थे,

20 दिन से खुदा गड्ढा बना जानलेवा, नाली निर्माण की धीमी रफ्तार से नेहरू वार्ड बेहाल

गंदा पानी नलों तक पहुंचने की आशंका, दुकानदारों और राहगीरों की बढ़ी मुश्किलें।

गोटेगांव प्रतिनिधि- नगर के नेहरू वार्ड में नाली निर्माण कार्य लोगों के लिए राहत के बजाय परेशानी का कारण बन गया है। करीब 20 दिनों से अधिक समय पहले नाली निर्माण के लिए खोदा गया बड़ा गड्ढा आज भी खुला पड़ा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित विभाग की लापरवाही के कारण यह गड्ढा अब दुर्घटनाओं को खुला निमंत्रण दे रहा है।

वार्डवासियों का कहना है कि खुदाई के दौरान पेयजल पाइपलाइन भी प्रभावित हुई है, जिसके चलते कई घरों में नलों से गंदा और मटमैला पानी आने की शिकायत सामने आ रही है। इससे लोगों में जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

व्यापारियों की परेशानी भी कम नहीं है। दुकानों के सामने किए गए निर्माण कार्य के कारण लगाए गए टीन शेड हट गए हैं। ऐसे में बारिश होने पर पानी सीधे दुकानों में घुसने की आशंका बनी हुई है, जिससे व्यापारियों को आर्थिक नुकसान का डर सता रहा है।

स्थिति को और गंभीर बना रहा है नालियों और गड्ढों के किनारे डाला गया मलबा। इससे सड़क संकरी हो गई है और दिनभर जाम जैसे हालात बनते हैं। पैदल चलने वालों, दोपहिया वाहन चालकों और बुजुर्गों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने नगर प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराया जाए, गड्ढों को सुरक्षित किया जाए, मलबा हटाया जाए तथा दूषित पेयजल की समस्या का तत्काल समाधान किया जाए। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो कोई बड़ा हादसा होने से इंकार नहीं किया जा सकता।संबंधित विभाग की हीलाहवाली लोगों को मुसीबत को बढ़ा रही है विभाग ध्यान दे।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

जबलपुर दिन मंगलवार 14 जुलाई 2026

दैनिक क्षितिज किरण

हिंदू धर्म में मां गायत्री को वेदों की जननी, ज्ञान और पवित्रता की देवी माना जाता है। मां गायत्री को वेदों की माता, देवमाता और विश्वमाता के रूप में भी जाना जाता है। मां गायत्री को पांच मुख वाली देवी के रूप में दर्शाया गया है। उनके यह पांच मुख पंचतत्वों का प्रतीक है। मां गायत्री की पूजा करने से व्यक्ति को समृद्धि, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। बता दें कि यदि कोई जातक की कोई मनोकामना है, तो उसको पूरा करने के लिए रोजाना गायत्री चालीसा का पाठ करना चाहिए।

पानी की किल्लत से ग्रस्त

डेटा सेंटर उन क्षेत्रों में बन रहे हैं, जो पानी की किल्लत से ग्रस्त हैं। भारत डेटा सेंटरों में जल उपयोग को लेकर फिलहाल अनिवार्य पर्यावरण मानक या अनिवार्य रिपोर्टिंग के नियम मौजूद नहीं हैं। हर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस डेटा सेंटर की स्थापना की खबर को भारत में एक बड़ी उपलब्धि समझा जाता है। इनसे विदेशी निवेश के रूप में आने वाले डॉलर की खबर उस समय और महत्त्वपूर्ण हो गई है, जब देश के सामने भुगतान संतुलन की चुनौती बढ़ रही है। मगर डेटा सेंटर्स के साथ एक अन्य बड़ी समस्या भारत आ रही है। ये वो समस्या है, जिसके कारण डेटा सेंटर्स विभिन्न अमेरिकी राज्यों में बेहद अलोकप्रिय हो गए हैं। इन सेंटर्स के लिए पानी और बिजली की इतनी ज्यादा जरूरत पड़ती है कि उससे भविष्य बिगड़ने की आशंका से कई अमेरिकी राज्यों में ये सेंटर्स बड़े जन प्रतिरोध का कारण बने हुए हैं। मगर भारत में इनको लेकर जागरूकता की अभी कमी है। जबकि गैर-सरकारी संस्था- काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक 2024-25 में भारत के डेटा सेंटरों ने सालाना 150 अरब लीटर पानी की खपत की। इन सेंटर्स की बढ़ती संख्या के कारण 2030 तक यह आंकड़ा 358 अरब लीटर पहुंचने का अनुमान है। डेटा सेंटर्स का कई उन जिलों में विस्तार हो रहा है, जो पहले से पानी की किल्लत का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में फिलहाल डेटा सेंटरों में पानी और बिजली के उपयोग को लेकर अनिवार्य पर्यावरण संरक्षण मानक या अनिवार्य रिपोर्टिंग संबंधी नियम मौजूद नहीं हैं। अमेजन, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट आदि जैसी अमेरिकी और रिलायंस एवं अडानी ग्रुप जैसी भारतीय कंपनियां डेटा सेंटर्स के निर्माण से जुड़ी हुई हैं। आशंका है कि इनके रसूख को देखते हुए पानी और बिजली से संबंधित सख्त नियम बनाने को लेकर सरकार कतराएगी,

धुएं की जगह पानी छोड़ेगी, बिना डीजल और बिना ओवरहेड तार के इस तरह दौड़ेगी ट्रेन

भारत की रेल व्यवस्था एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत की पहली हाइड्रोजन चालित रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाएंगे। यह सिर्फ एक नई रेलगाड़ी की शुरुआत नहीं, बल्कि भारतीय रेल के हरित परिवर्तन की दिशा में ऐतिहासिक पहल भी होगी। हरियाणा के जींद से चलने वाली यह रेलगाड़ी देश को स्वच्छ और कम प्रदूषण वाली परिवहन व्यवस्था की ओर ले जाने का प्रयास है। हालांकि इस उपलब्धि के साथ कई तकनीकी और आधारभूत चुनौतियां भी जुड़ी हैं, जिनका समाधान भविष्य की सफलता तय करेगा।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 जुलाई को जींद दौरे को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। राज्यसभा सांसद संजय भाटिया को पूरे कार्यक्रम का संयोजक बनाया गया है और वह स्वयं तैयारियों की लगातार निगरानी कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के करीबी माने जाने वाले भाटिया मंच, पंडाल, बैठक व्यवस्था, वाहन पार्किंग, पेयजल, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं का नियमित निरीक्षण कर रहे हैं। प्रधानमंत्री अपने दौरे के दौरान देश की पहली हाइड्रोजन रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाने के साथ हरियाणा की कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे।

इतिहास

उधर, रेलवे के अनुसार यह रेलगाड़ी दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन चालित रेलगाड़ियों में शामिल होगी। इसमें आठ यात्री डिब्बे और दो पावर कार होंगे। लगभग दो हजार चार सौ किलोवाट क्षमता वाली यह रेलगाड़ी एक बार में कम से कम छह सौ बयासी यात्रियों को लेकर चल सकेगी। यह जींद और सोनीपत के बीच लगभग नवासी किलोमीटर लंबे मार्ग पर अधिकतम पचहत्तर किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेगी। प्रतिदिन दो फेरे लगाएगी और कुल तीन सौ छप्पन किलोमीटर की दूरी तय करेगी। इस दौरान लगभग तीन सौ किलोग्राम हाइड्रोजन की खपत होने का अनुमान है।

कैसे चलेगी हाइड्रोजन रेलगाड़ी यदि इसकी बात करें तो आपको बता दें कि सामान्य विद्युत रेलगाड़ियां ऊपर लगे तारों से मिलने वाली विद्युत धारा पर निर्भर रहती हैं, लेकिन हाइड्रोजन रेलगाड़ी की कार्यप्रणाली पूरी तरह अलग है। इसमें हाइड्रोजन और वायु से प्राप्त ऑक्सीजन को ईंधन कोश में मिलाकर विद्युत ऊर्जा तैयार की जाती है। यही ऊर्जा रेलगाड़ी को गति देती है। इस पूरी प्रक्रिया में कार्बन उत्सर्जन लगभग शून्य रहता है और मुख्य उपोत्पाद के रूप में केवल जल बनता है। यही कारण है कि इसे स्वच्छ परिवहन की दिशा में बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

भारतीय रेल की इस परियोजना में प्रत्येक पावर कार में चार एकीकृत पावर पैक लगाए गए हैं। इनमें हाइड्रोजन ईंधन कोश और लिथियम फेरो फास्फेट बैटरी का संयोजन किया गया है। प्रत्येक पावर पैक तीन सौ किलोवाट ऊर्जा देगा, जिसमें एक सौ पंद्रह किलोवाट ईंधन कोश और एक सौ पचासी किलोवाट बैटरी से प्राप्त होगी। चारों पावर पैक मिलकर बारह सौ किलोवाट क्षमता उपलब्ध कराएंगे। चूंकि रेलगाड़ी में दो पावर कार हैं, इसलिए कुल क्षमता चौबीस सौ किलोवाट अर्थात लगभग तीन हजार दो सौ अश्वशक्ति होगी। यह क्षमता समान दूरी तय करने वाली सामान्य विद्युत या डीजल बहु इकाई रेलगाड़ियों के बराबर मानी जा रही है।

ईंधन कोश और बैटरी के संतुलित तालमेल के बारे में रेलवे अधिकारियों का कहना है कि ईंधन कोश लगातार एक समान ऊर्जा देता है। इसलिए जब रेलगाड़ी चलना शुरू करती है, तब शुरुआती अधिक ऊर्जा की आवश्यकता ईंधन कोश से पूरी होती है। जैसे ही रेलगाड़ी गति पकड़ती है और ऊर्जा की मांग बढ़ती है, बैटरी अतिरिक्त शक्ति उपलब्ध कराती है। दूसरी ओर, जब रेलगाड़ी की गति कम होती है या वह किसी स्टेशन के पास पहुंचती है, तब अतिरिक्त ऊर्जा से बैटरी दोबारा चार्ज हो जाती है। इस व्यवस्था से पूरी यात्रा के दौरान बैटरी लगभग अस्सी प्रतिशत तक भरी रहती है और ऊर्जा की उपलब्धता बनी रहती है।

हम आपको यह भी बता दें कि हाइड्रोजन रेल तकनीक अभी दुनिया के चुनिंदा देशों तक ही सीमित है। इस तकनीक का पहला सार्वजनिक प्रदर्शन 2016 में बर्लिन में हुआ था। बाद में जर्मनी ने दो डिब्बों वाली हाइड्रोजन रेलगाड़ी शुरू की, जिसे दुनिया की पहली यात्री हाइड्रोजन रेलगाड़ी माना गया। इसके बाद जापान, चीन और अमेरिका ने भी इस दिशा में कदम बढ़ाए। हालांकि अभी तक इन रेलगाड़ियों का उपयोग मुख्य रूप से छोटी दूरी की सेवाओं तक सीमित है, क्योंकि तकनीक अभी विकास के दौर में है। साथ ही हाइड्रोजन रेलगाड़ी की सबसे बड़ी ताकत ही उसकी सबसे बड़ी चुनौती भी है। सामान्य वायुमंडलीय दबाव को एक बार माना जाता है, जबकि हाइड्रोजन को दो सौ से पांच सौ बार के अत्यधिक दबाव पर संग्रहित करना पड़ता है। यह अत्यधिक ज्वलनशील गैस है, इसलिए इसके भंडारण और परिवहन के लिए अत्यंत सुरक्षित व्यवस्था आवश्यक होती है।

हम आपको बता दें कि रेलवे ने जींद में तीन हजार किलोग्राम क्षमता वाला ईंधन भरने का केंद्र बनाया है। यहां हाइड्रोजन की आपूर्ति के लिए विशेष शीतलन संयंत्र लगाया गया है, जो ईंधन भरने के दौरान हाइड्रोजन का तापमान शून्य से पंद्रह डिग्री नीचे तक बनाए रखता है।

आ गया मानसून

डॉ. सुधीर सक्सेना

आ गया मानसून। मानसून आ गया है। करीब एक पखवाड़े की लुकाछिपी के बाद अंततः मानसून आ गया। इतराते-इठलाते मेघ पाहुने आखिरकार नाज-नखरे के साथ प्रकट हुए। धरती पुलक से भीग गई। यह अनहोनी नहीं है। यह सदियों से चला आया चक्र है। अनहोनी तब होती है, जब चक्र खंडित होता है और बादल रूठ जाते हैं। धरती की त्वचा में पपड़ियाँ पड़ जाती हैं और जीव-जंतु तृषार्त और व्यग्र हो जाते हैं। बहरहाल, किंचित विलंब ही सही, धरती और धरती के प्राणियों की प्रतीक्षा के मोद से भरे बादल आए, बरसे और कृतकृत्य हुए।

किसी ने कहा, 'अहा, बारिश आ गई।' अंग्रेजीदाँ बोले, 'इट्स रेनिंग।' मेरे जर्मन-भाषी मित्र ने दूरभाष पर कहा, 'एस रेग्नेट'। तो मराठी माणूस चहका, 'पाऊस आला।' कोकणस्थ ने भी कहा, 'हओ, पाउस आला।' मेरी बंगालन सखी ने आसमान से हुई रस-वृष्टि में आपादमस्तक भीग जाने के बाद संदेश भेजा, 'बृष्टि एलो।' फोन की घंटी घनघनाई! मस्क्वा से मेरे मित्र का प्रश्न था, 'प्रिश्योल दोश्द?' मैंने सानंद कहा—'दा।' दोस्त मेरे आनंद में शरीक हुआ।

मानसून आता है, तो लोगबाग खुश होते हैं। मानसून हमारा शब्द नहीं है, अलबत्ता अब पूरे मुल्क में चलन में है। हम भारतीयों ने इसे हृदय से अपना लिया है। यह हमारी सहृदयता का सरस प्रमाण है। अब यह पराया या अजनबी नहीं रहा। अरबी मूल का यह शब्द ब्रिटिश इंडिया में चलन में आया। बीती सदी के शुरू में लार्ड कर्जन ने कहा था कि इंडिया में फसल मानसून की बिसात पर खेला जाने वाला जुआ है। लार्ड कर्जन गए, उनके सजातीय गए, लेकिन मानसून का इंतजार तब भी था, आज भी है और कल भी रहेगा। यह मानसून की सनातन महत्ता है। वर्षा द्वैत के अद्वैत और अद्वैत के द्वैत में परिवर्तन का दर्शन है। मानसून का आना इंतजार की घड़ियों का खत्म होना है। मानसून प्रतीक्षा के उपरांत मिलन के पर्याय का घोतक है। यह अनिर्वचनीय आनंद की मंगल-वेला है।

प्लास्टिक बैग से जकड़ी जीवन-शैली से पर्यावरण तबाह

पृथ्वी आज जिस सबसे बड़े पर्यावरणीय संकट से जूझ रही है, उसमें जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता का क्षरण और प्रदूषण के साथ-साथ प्लास्टिक प्रदूषण भी एक गंभीर वैश्विक चुनौती बन चुका है। कभी आधुनिक जीवन की सुविधा और विकास का प्रतीक माने जाने वाले प्लास्टिक आज मानव सभ्यता के लिए अभिशाप सिद्ध हो रहा है। विशेष रूप से सिंगल-यूज प्लास्टिक बैग ने हमारी जीवन-शैली को इतना जकड़ लिया है कि उससे मुक्ति के बिना न स्वच्छ पर्यावरण की कल्पना की जा सकती है और न ही स्वस्थ भविष्य की। इसी चिंता को लेकर प्रतिवर्ष 3 जुलाई को 'अंतराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस' मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी का दिन है कि यदि अब भी हमने अपनी आदतें नहीं बदलीं तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी।

आज विश्व में हर वर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा केवल एक बार उपयोग के बाद कचरे में बदल जाता है। अनुमान है कि प्रतिवर्ष लगभग 1.1 से 1.4 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुँच जाता है। यदि यही स्थिति बनी रही तो वर्ष 2050 तक समुद्रों में मछलियों से अधिक प्लास्टिक होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। यह केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए भयावह भविष्य का संकेत है। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि प्लास्टिक अब केवल धरती पर बिखरा कचरा नहीं रहा, बल्कि हमारे शरीर का भी हिस्सा बन चुका है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि हवा, पानी, भोजन, नमक, दूध, शहद और यहाँ तक कि मानव रक्त, फेफड़ों तथा गर्भनाल में भी माइक्रोप्लास्टिक के कण पाए जा चुके हैं। एक सामान्य व्यक्ति प्रतिवर्ष हजारों सूक्ष्म प्लास्टिक कण भोजन, पेयजल और साँस के माध्यम से अपने शरीर में पहुँचा रहा है। यह स्थिति कैंसर, हार्मोनल असंतुलन, हृदय रोग, प्रजनन संबंधी समस्याओं और प्रतिरक्षा तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव जैसी अनेक स्वास्थ्य चुनौतियों को जन्म दे रही है। हैंडबैगऑर पर्स

आधुनिक जीवनशैली में प्लास्टिक बैग हमारी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। सब्जी और किराने की खरीदारी से लेकर कपड़े, दवाइयाँ, भोजन, ऑनलाइन डिलीवरी, उपहार पैकिंग और घरेलू सामान तक लगभग हर कार्य में प्लास्टिक बैग का उपयोग हो रहा है। सुविधा और सस्तेपन के कारण इनका प्रयोग लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे हमारा जीवन मानो प्लास्टिक की गिरफ्त में आ गया है। एक बार उपयोग के बाद फेंके जाने वाले ये बैग पर्यावरण, जल स्रोतों, वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। इसलिए समय की मांग है कि हम कपड़े, जूट या कागज़ के थैलों को अपनाकर प्लास्टिक बैग से मुक्ति का संकल्प लें। प्लास्टिक केवल मनुष्य के स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पर्यावरण का भी शत्रु है। यह मिट्टी की उर्वरता को कम करता है, जल स्रोतों को प्रदूषित करता है, नालियों को जाम कर शहरी बाढ़ का कारण बनता है तथा पशु-पक्षियों और समुद्री जीवों की असमय मृत्यु का कारण बनता है। गायों के पेट से कई-कई किलो प्लास्टिक निकलने की घटनाएँ अब सामान्य हो गई हैं। समुद्री कछुए, डॉल्फिन, व्हेल और पक्षी प्लास्टिक को भोजन समझकर निगल लेते हैं और धीरे-धीरे मृत्यु का शिकार बन जाते हैं। इस प्रकार प्लास्टिक केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि जीवन के पूरे जैविक तंत्र को नष्ट कर रहा है। विडम्बना यह है कि प्लास्टिक का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी सुविधा है और यही सुविधा सबसे बड़ा संकट बन गई है। कुछ मिनटों के उपयोग के लिए बना प्लास्टिक बैग सैकड़ों वर्षों तक नष्ट नहीं होता। जिस वस्तु का उपयोग हम कुछ मिनट करते हैं, उसका दुष्प्रभाव कई पीढ़ियाँ भुगतती हैं। सुविधा की यह संस्कृति वास्तव में विनाश की संस्कृति बनती जा रही है।

जगन्नाथ पुरी से लौटते समय क्यों लाते हैं निर्माल्य प्रसाद? जानिए इस पोटली का रहस्य

ओडिशा के पवित्र जगन्नाथ धाम पुरी में भगवान जगन्नाथ के दर्शन के साथ उनके महाप्रसाद का भी विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। यहां आने वाले श्रद्धालु अक्सर दर्शन के बाद एक छोटी पोटली अपने साथ लेकर जाते हैं। इस पोटली को निर्माल्य कहा जाता है। इसमें भगवान जगन्नाथ को अर्पित किए गए सूखे चावल के दाने होते हैं, जिन्हें महाप्रसाद का स्वरूप माना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह सामान्य चावल नहीं बल्कि भगवान को अर्पित प्रसाद होता है। स्कंद पुराण में भी निर्माल्य की महिमा का विस्तृत उल्लेख मिलता है।

निर्माल्य प्रसाद से जुड़ी धार्मिक मान्यताएं

मान्यता है कि जो व्यक्ति श्रद्धापूर्वक प्रतिदिन निर्माल्य के चावल का सेवन करता है, उसकी रक्षा स्वयं भगवान जगन्नाथ करते हैं। यह भी माना जाता है कि जिस घर में निर्माल्य की पोटली रखी होती है, वहां धन-धान्य की कमी नहीं होती।

शरीयत नहीं, संविधान चलेगा... 15 साल की मुस्लिम बच्चियों को 'शादी लायक' बताने वालों को इलाहाबाद कोर्ट ने सुनाई खरी खरी

देश के संविधान से ज्यादा शरीयत को तवज्जो देने वाले और पंद्रह साल की उम्र की लड़की के विवाह को जायज मानने की सोच रखने वालों को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने करारा झटका दिया है। अदालत ने साफ और सख्त शब्दों में कहा है कि देश में विवाह की कानूनी आयु सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होगी और किसी भी धर्म का पर्सनल लॉ उससे ऊपर नहीं हो सकता। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि मुस्लिम पर्सनल लॉ में यौवन प्राप्ति को विवाह की आयु मानने का प्रावधान बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम और बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम को निष्प्रभावी नहीं कर सकता। अदालत ने दो टूक कहा कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़े ये कानून राष्ट्रीय नीति, सार्वजनिक स्वास्थ्य और वैज्ञानिक समझ पर आधारित हैं, इसलिए इनके सामने किसी भी व्यक्तिगत कानून का दावा स्वीकार नहीं किया जा सकता।

हम आपको बता दें कि न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की खंडपीठ ने एक जुलाई को यह महत्वपूर्ण टिप्पणी बुलंदशहर में दर्ज एक प्राथमिकी को निरस्त करने की मांग वाली याचिका खारिज करते हुए की। यह याचिका रूबी समेत उन्नीस लोगों की ओर से दाखिल की गई थी। इन सभी पर आरोप है कि उन्होंने सोलह वर्ष की एक मुस्लिम किशोरी का विवाह रुकवाने पहुंची पुलिस और बाल सहायता दल पर हमला किया, सरकारी कार्य में बाधा डाली और किशोरी को जबरन वहां से ले जाने का प्रयास किया।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अदालत में दलील दी गई कि मुस्लिम शरीयत कानून के अनुसार यौवन प्राप्त करने के बाद, जिसे सामान्य रूप से पंद्रह वर्ष की आयु माना जाता है, लड़की विवाह के लिए सक्षम हो जाती है। उनका कहना था कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम मुस्लिम समुदाय के व्यक्तिगत विवाह कानून को प्रभावित नहीं करता।

उच्च न्यायालय ने इस तर्क को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि मुस्लिम व्यक्तिगत कानून का ऐसा प्रावधान बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम और बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम से स्पष्ट रूप से असंगत है। अदालत ने कहा कि यदि अठारह वर्ष से कम आयु के बच्चों का विवाह स्वीकार कर लिया जाए तो इससे बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम का प्रत्यक्ष उल्लंघन होगा, क्योंकि वैवाहिक संबंध स्वाभाविक रूप से शारीरिक संबंधों से जुड़े होते हैं। ऐसे में बाल विवाह को वैध मानना बच्चों की सुरक्षा के लिए बने कानून को निष्प्रभावी कर देगा।

जब अमर कथा सुनने की इजाजत गणेश जी को भी नहीं थी

हिंदू धर्म में भगवान शिव और मां पार्वती की अमरकथा से जुड़ी एक रोचक कहानी सुनने को मिलती है। श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने लिखा है कि सदियों पर भगवान शिव से माता पार्वती ने पूछा कि उन्होंने मुंड माला कब और क्यों धारण करना शुरू किया। जिस पर भगवान शिव ने जवाब देते हुए कहा कि जब भी देवी पार्वती का जन्म होता है, तो वह अपनी माला में एक और सिर जोड़ लेते हैं।

तब देवी पार्वती ने कहा कि मैं बार-बार मरती हूं, लेकिन आप अमर हैं। इसलिए मुझे अपनी अमरता का कारण बताइए। जिस पर भगवान शिव-शंकर ने उत्तर देते हुए कहा कि पार्वती इसके लिए आपको अमर कथा सुननी होगी।

जब भगवान शिव जी माता पार्वती को अमरकथा सुनाने को तैयार हो गए। तो शिव-पार्वती ऐसी जगह के लिए चल पड़े, जहां पर अन्य कोई अमर कथा को न सुन सके। अमरकथा सुनाने के लिए उन्होंने अमरनाथ गुफा को चुना। लेकिन इससे पहले भगवान शिव ने अपने प्रिय भक्त और वाहन नंदी को पहलगाम में छोड़ दिया। वहीं अपने नागों को शेषनाग झील के किनारे छोड़ दिया। उन्होंने भगवान गणेश को महागुण पर्वत पर छोड़ा और जीवन के पंच तत्वों को पंजतरणी में त्याग दिया। जिनके वह स्वामी हैं। इन सभी को त्यागने के बाद भगवान शिव ने माता पार्वती के साथ अमरनाथ गुफा में प्रवेश किया और समाधि ले ली।

कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन: कृषि मशीनीकरण के माध्यम से उत्पादकता में वृद्धि

कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन (एसएमएएम) के माध्यम से पूरे देश में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों, महिला किसानों तथा सामाजिक रूप से वंचित वर्गों की आधुनिक कृषि मशीनों तक पहुंच सुनिश्चित हो रही है। कृषि मशीनीकरण में क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने के लिए विशेषकर पूर्वोत्तर राज्यों के साथ उन राज्यों एवं क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जहां कृषि यंत्रों का उपयोग अपेक्षाकृत कम है। योजना के शुरू होने से अब तक 9,404.47 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के माध्यम से देशभर के किसानों को 21.61 लाख कृषि मशीनें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। इसके अलावा, 52.5 करोड़ रुपये की सहायता से 40,918 हेक्टेयर क्षेत्र में 40,928 से अधिक ड्रोन प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं। इन प्रदर्शनों ने किसानों के बीच आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों के उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कृषि यांत्रिकीकरण के माध्यम से खेती को सुदृढ़ बनाना भारत में कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मशीनीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके अंतर्गत फसल उत्पादन के पूरे चक्र में विभिन्न कृषि कार्यों के लिए मशीनों, उपकरणों और आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है। इनमें भूमि की तैयारी, बुआई, सिंचाई, फसल संरक्षण, कटाई एवं कटाई के बाद के प्रबंधन जैसे सभी प्रमुख कार्य शामिल हैं। कृषि मशीनीकरण से मानव और पशु श्रम पर निर्भरता कम होती है, जिससे कृषि कार्य समय पर, अधिक दक्षता व सटीकता के साथ पूरे किए जा सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप उत्पादन लागत घटती है, श्रम उत्पादकता बढ़ती है, कृषि कार्यों की गुणवत्ता में सुधार होता है तथा किसानों की आय और खेती की समग्र उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है।

भारत में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्ष 2014-15 में कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन (एसएमएएम) शुरू किया गया। यह राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत केंद्र प्रायोजित एक प्रमुख पहल है। इसका उद्देश्य आधुनिक कृषि मशीनों एवं उपकरणों का लाभ उन किसानों और क्षेत्रों तक पहुंचाना है, जहां कृषि मशीनीकरण का स्तर अभी भी अपेक्षाकृत कम है। इस योजना का विशेष ध्यान छोटे और सीमांत किसानों, महिला किसानों, अनुसूचित जाति (एससी) एवं अनुसूचित जनजाति (एसटी) के किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) तथा ग्रामीण उद्यमियों पर है।

यह योजना कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) की स्थापना को बढ़ावा देती है। ये ऐसे केंद्र हैं, जहां कृषि मशीनें, औजार और उपकरण उपलब्ध होते हैं, जिन्हें किसान किराए पर ले सकते हैं। यह योजना उच्च-प्रौद्योगिकी और महंगे कृषि उपकरणों के लिए हब स्थापित करने तथा कृषि मशीनरी के वितरण में भी सहायता प्रदान करती है। इसके तहत प्रदर्शन और क्षमता निर्माण संबंधी पहलों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाई जाती है। उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जहां कृषि मशीनीकरण का स्तर और कृषि शक्ति अपेक्षाकृत कम है। साथ ही, कस्टम हायरिंग सेंटरों के माध्यम से सस्ती किराया सेवाएं उपलब्ध कराकर छोटे जोत आकार और अधिक लागत जैसी चुनौतियों का समाधान किया जाता है। इसके अलावा, कृषि मशीनीकरण पर सब-मिशन के तहत कृषि मशीनरी के प्रदर्शन परीक्षण और प्रमाणन को भी सहायता प्रदान की जाती है। इससे जुड़े हितधारकों के बीच इनका उपयोग बढ़ाने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) गतिविधियां भी संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2007 में शुरू की गई राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) एक प्रमुख योजना है, जिसका उद्देश्य राज्यों को कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में सार्वजनिक निवेश बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह योजना राज्यों को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप परियोजनाओं की योजना बनाने और उन्हें लागू करने की पर्याप्त स्वतंत्रता और अधिकार प्रदान करती है। इसके अंतर्गत फसल उत्पादन, बुनियादी ढांचे का विकास, कृषि मशीनीकरण तथा मूल्य संवर्धन जैसी विभिन्न गतिविधियां शामिल हैं। वर्ष 2017-18 में इस योजना का पुनर्गठन कर इसे आरकेवीवाई-रफ्तार (कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के कायाकल्प के लिए लाभकारी दृष्टिकोण) के रूप में लागू किया गया, जिसमें फसल-पूर्व और फसलोपरांत बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया।

खेती की उत्पादकता बढ़ाने के लिए एसएमएएम के रणनीतिक स्तंभ

कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन (एसएमएएम) को आधुनिक कृषि उपकरणों तक पहुंच बेहतर बनाकर, श्रम की आवश्यकता कम करके और खेती की उत्पादकता बढ़ाकर समावेशी तथा कुशल कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है।

प्रशिक्षण, परीक्षण, प्रदर्शन व फसल कटाई के बाद के कामों में मशीनीकरण को बढ़ावा देना: आधुनिक कृषि तकनीकों तक पहुंच बढ़ाकर कृषि उत्पादकता और कार्यकुशलता में वृद्धि करता है। साथ ही, कृषि मशीनीकरण को प्रोत्साहित करते हुए फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, भंडारण, मूल्य संवर्धन तथा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करता है।

खेती-बाड़ी के यंत्रों और उपकरणों की खरीद के लिए आर्थिक मदद: यह योजना प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से कृषि मशीनों के व्यक्तिगत स्वामित्व के लिए सब्सिडी प्रदान करती है। इसके तहत सामान्य श्रेणी के लाभार्थियों को कृषि मशीन की लागत का 40 प्रतिशत व अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, छोटे और सीमांत किसानों तथा पूर्वोत्तर राज्यों के लाभार्थियों को 50 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता दी जाती है। इसके अलावा, छोटे एवं सीमांत किसानों को कस्टम हायरिंग सेंटर, स्वयं सहायता समूह और किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से ड्रोन सहित मशीनीकृत कृषि सेवाओं के उपयोग के लिए प्रति हेक्टेयर 2,000 रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। किराये पर मशीनें देने के लिए %फार्म मशीनरी बैंक% (एफएमबी) बनाना: यह योजना एसएचजी, एफपीओ और स्थानीय संस्थाओं को कृषि मशीनें खरीदने के लिए 80 से 90 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता प्रदान कर कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देती है। सीएचसी की स्थापना के लिए 250 लाख रुपये तक की परियोजनाओं पर कुल लागत का 40 प्रतिशत वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जबकि एफएमबी की स्थापना के लिए 30 लाख रुपये तक की परियोजनाओं पर 80 प्रतिशत वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। हाई-टेक और ज्यादा उत्पादकता वाले इक्विपमेंट हब बनाना: कार्यकुशलता बढ़ाने तथा महंगी और उन्नत कृषि मशीनों तक किसानों की पहुंच आसान बनाने के लिए फसल-विशिष्ट कार्यों हेतु उन्नत एवं उच्च क्षमता वाली कृषि मशीनरी से सुसज्जित केंद्रों की स्थापना करना सुनिश्चित किया गया है।

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिये सार्थक रहने वाला है। आपकी बेहतर कार्यप्रणाली से लाभ के नए रास्ते खुलेंगे। किसी जरूरतमंद मित्र की मदद करनी पड़ सकती है। समाज कल्याण के लिए महत्वपूर्ण मीटिंग में शामिल होने का बुलावा आ सकता है।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिये सार्थक रहने वाला है। परिवार का माहौल आपके लिए अच्छा होगा। समाज कल्याण के लिए महत्वपूर्ण मीटिंग में शामिल होने का बुलावा आ सकता है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। शांत मन से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। युवाओं को अपने समय का उचित प्रबंधन करने की जरूरत है। पिछले काफी दिनों से रुके हुए काम आज पूरे होंगे।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए लकी होने वाला है। पदोन्नति के प्रबल योग बन रहे हैं। आपका व्यक्तित्व संतुलित और सकारात्मक रहेगा। आज रुकी हुई पेमेंट मिल सकती है, इससे आर्थिक स्थिति में राहत आएगी।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज किसी मित्र पर भरोसा रखना आपके कामों को मैनेज करने में मदद करेगा तथा मुश्किल काम भी आपको आसान लगेंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज ऑफिस में कामकाज ज्यादा रहेगा। ट्रांसफर या प्रमोशन के लिए बॉस से बात करेंगे, इसमें आपको सफलता मिलेगी।

तुला राशि:तुला राशि वालों आज का दिन मिले-जुले परिणाम देने वाला है। आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन आपको सफलता दिला सकता है। किसी कारण से पिताजी आपको नई जिम्मेदारी दे सकते हैं, जिसे आप अच्छी तरह निभाएंगे।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपकी काफी दिनों पुरानी निजी समस्या सुलझ जाने से बहुत सुकून मिलेगा। कार्य स्थल पर आपका प्रदर्शन अच्छा रहेगा। आपको किसी जरूरी काम में सहकर्मियों की मदद मिलेगी।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज दिन भर सकारात्मक और अनुशासित दृष्टिकोण से आपको प्रसन्नता होगी। अपनी सूझबूझ से लिए गए फैसलों के आज अच्छे परिणाम मिलेंगे। आज परिवार के साथ व्यस्त रह सकते हैं।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज निजी जीवन में सकारात्मक लाने की कोशिश करेंगे। आज आपकी ज्यादातर योजनाएं पूरी हो सकती हैं।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए नई उपलब्धियां लेकर आने वाला है। विज्ञान जगत से जुड़े लोगों के योगदान को सराहना मिलेगी और उन्हें सम्मानित भी किया जाएगा।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। धार्मिक कार्यों के प्रति आपका रुझान बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने उत्तर प्रदेश के लिए 50,000-60,000 करोड़ रुपये के सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। इनमें उत्तर-दक्षिण कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के प्रस्ताव भी शामिल हैं। 4,850 करोड़ रुपये से ज़्यादा के नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स के उद्घाटन और शिलान्यास के बाद आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि नई मंज़ूरियों में पांच लाख से ज़्यादा आबादी वाले शहरों के लिए बाईपास और राज्य के हर ज़िला मुख्यालय तक चार-लेन कनेक्टिविटी शामिल है।

एनसीईआरटी के अधिकारियों पर गिरेगी गाज, शिक्षा मंत्री ने दिए सख्त जांच के आदेश; कोर्ट में लापरवाही से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (हृष्टश्वक्रञ्ज) के अधिकारियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए कड़ा एक्शन लिया है। सूत्रों के मुताबिक, मंत्री ने उन अधिकारियों की गहन जांच के आदेश दिए हैं जो दिल्ली हाई कोर्ट में एक कागज सप्लाई करने वाली कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने के फैसले का सही तरीके से बचाव करने में नाकाम रहे। अदालती प्रक्रिया के दौरान बरती गई इस लापरवाही को बेहद गंभीरता से लेते हुए शिक्षा मंत्री ने साफ कर दिया है कि इस मामले में जिम्मेदारी तय की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी।

बाफना ग्लोबल वेंचर से जुड़ा है विवाद

यह पूरा विवाद बाफना ग्लोबल वेंचर प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ा है। हृष्टश्वक्रञ्ज ने 22 जून को एक आदेश जारी कर इस कंपनी को अगले दो साल के लिए अपनी खरीद प्रक्रिया में भाग लेने से रोक दिया था। इस ब्लैकलिस्टिंग के फैसले को चुनौती देते हुए कंपनी ने 24 जून को दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। हैरानी की बात यह रही कि मामले की सुनवाई के दौरान अदालत में अपना पक्ष रखने के लिए हृष्टश्वक्रञ्ज का कोई भी प्रतिनिधि वहां मौजूद ही नहीं था। इसका सीधा फायदा कंपनी को मिला और हाई कोर्ट ने अगले आदेश तक कंपनी के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाते हुए अंतरिम राहत दे दी। इतना ही नहीं, अदालत ने हृष्टश्वक्रञ्ज को कंपनी की 6 करोड़ रुपये से अधिक की बैंक गारंटी का इस्तेमाल करने से भी रोक दिया है।

टेंडर प्रक्रिया और कानूनी पैरवी पर उठे बड़े सवाल

हाई कोर्ट में मामले की सही पैरवी न होने की खबरों पर शिक्षा मंत्रालय ने कड़ा संज्ञान लिया है। मंत्रालय ने हृष्टश्वक्रञ्ज से इस पूरे प्रकरण की जांच करने को कहा है, जिसमें मुख्य रूप से इस बात की पड़ताल की जाएगी कि बाफना ग्लोबल वेंचर प्राइवेट लिमिटेड को तय मानक और योग्यता पूरी नहीं करने के बावजूद टेंडर आखिर कैसे मिल गया। इसके अलावा, मंत्रालय ने इस बात का भी स्पष्ट जवाब मांगा है कि कंपनी तय समय सीमा के भीतर कागज की सप्लाई क्यों नहीं कर पाई और सबसे अहम बात कि हृष्टश्वक्रञ्ज ने हाई कोर्ट में इस पूरे मामले को मजबूती से क्यों नहीं रखा। शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया है कि पाठ्यपुस्तकों की खरीद और उत्पादन में पूरी पारदर्शिता होनी चाहिए और ऐसी कोई भी प्रशासनिक या कानूनी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ईरान संघर्ष को बताया देरी का कारण, 20 जुलाई को अगली सुनवाई

अदालत में सुनवाई के दौरान बाफना ग्लोबल वेंचर ने अपनी सफाई में अंतरराष्ट्रीय स्थिति का हवाला दिया। कंपनी का तर्क था कि ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण कागज बनाने में इस्तेमाल होने वाले महत्वपूर्ण रसायन 'हाइड्रोजन पेरोक्साइड' की बाजार में भारी कमी हो गई थी, जिसकी वजह से किताबों के लिए कागज की सप्लाई में देरी हुई। फिलहाल, इस पूरे विवाद की अगली सुनवाई 20 जुलाई को दिल्ली हाई कोर्ट में होनी तय है।

गुजरात-हैदराबाद समेत इन राज्यों में चलेगी देश की पहली बुलेट ट्रेन, इस दिन हो सकती है शुरुआत

हैदराबाद ,(आरएनएस)। भारत का हाई-स्पीड रेल नेटवर्क का सपना अब हकीकत में बदलने की दहलीज पर है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि मुंबई और अहमदाबाद के बीच देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना का निर्माण कार्य बहुत तेजी से चल रहा है। उन्होंने साफ किया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना का पहला चरण अगले साल (2027) शुरू होने जा रहा है, जिससे भारतीय रेलवे एक नए युग में प्रवेश करेगी। रेल मंत्री ने योजना का खाका पेश करते हुए बताया कि शुरुआत में मुंबई-अहमदाबाद रूट पर सूरत से बिलिमोरा के बीच पहला सेक्शन चालू किया जाएगा। इसके बाद सिलसिलेवार ढंग से आगे का काम बढ़ाया जाएगा,

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान नई दिल्ली में %वृक्ष मित्र कार्यक्रम% (पर्यावरण संरक्षण संकल्प और वृक्ष मित्र संवाद) के दौरान एक प्रतिभागी को पौधा भेंट करते हुए।

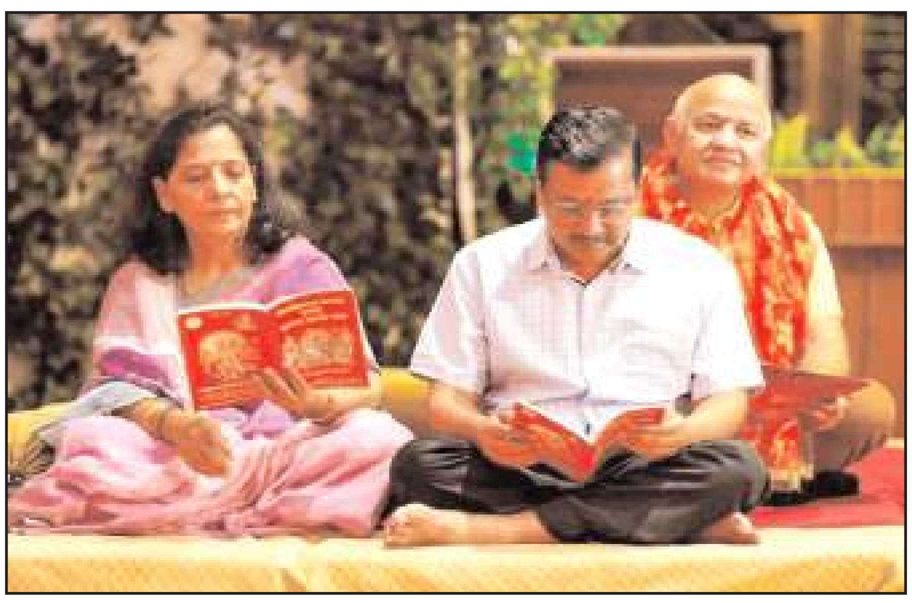

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल के साथ नई दिल्ली के रोहिणी में आयोजित भव्य सुंदरकांड पाठ में शामिल हुए।

ऑपरेशन एल' से विपक्ष को खत्म करने की तैयारी में सीएम विजय, एआईएडीएमके के 10 और विधायक छोड़ सकते हैं साथ

चेन्नई,(आरएनएस)। तमिलनाडु की राजनीति में इस समय एक बहुत बड़ा सियासी भूचाल आया हुआ है, जिसने मुख्य विपक्षी दल के खेमे में हड़कंप मचा दिया है। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की अगुवाई वाली सत्तारूढ़ पार्टी तमिलगा वेत्रि कड़गम (ञ्जङ्क्य) अब विधानसभा में पूर्ण बहुमत के जादुई आंकड़े के बेहद करीब पहुंचती दिख रही है। अंदरूनी सूत्रों से आ रही खबरों के मुताबिक, मुख्य विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके (द्बष्ठरूव्य) के करीब 10 और असंतुष्ट विधायक विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर 15 अगस्त से पहले औपचारिक रूप से सत्तारूढ़ ञ्जङ्क्य का दामन थाम सकते हैं। मुख्यमंत्री विजय की पार्टी के भीतर इस पूरी गुप्त योजना को 'ऑपरेशन एल' का नाम दिया गया है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले 'ऑपरेशन रु' को अंजाम देने की तैयारी राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इन बागी विधायकों के इस्तीफे की टाइमिंग बेहद सोच-समझकर और एक सोची-समझी रणनीति के तहत तय की गई है। माना जा रहा है कि चुनाव आयोग जल्द ही सूबे में विधानसभा उपचुनावों का ऐलान कर सकता है। इस पूरी गुप्त वार्ता में शामिल एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इस्तीफे और दलबदल की यह पूरी प्रक्रिया हर हाल में स्वतंत्रता दिवस से पहले पूरी कर ली जाएगी। रणनीति के पीछे मुख्य उद्देश्य यह है कि चुनाव आयोग द्वारा उपचुनावों की तारीखों की घोषणा करने से पहले ही इस पूरे सियासी दलबदल को अंतिम रूप दे दिया जाए, ताकि विपक्ष को संभलने का मौका न मिले।

विधानसभा में सीटों का गणित और कमजोर होता विपक्ष

यह राजनीतिक उठापटक पिछले कुछ हफ्तों से लगातार पर्दे के पीछे जारी थी। मई के महीने में जिन 25 द्बष्ठरूव्य विधायकों ने अपनी ही पार्टी के व्हिप का खुला उल्लंघन करके सरकार बनाने के लिए मुख्यमंत्री विजय का समर्थन किया था, उनमें से लगभग आधे या तो ञ्जङ्क्य का दामन थाम चुके हैं या फिर शामिल होने की कगार पर खड़े हैं। अगर 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा के मौजूदा गणित को समझें, तो वर्तमान में कुल 227 विधायकों की संख्या है, जबकि 7 सीटें खाली हैं। सत्तारूढ़ ञ्जङ्क्य के पास अभी 107 विधायक हैं, जबकि लगातार हो रहे इस्तीफों के कारण विपक्षी द्बष्ठरूव्य सिमटकर महज 41 विधायकों पर रह गई है। हाल ही में एआईएडीएमके के पूर्व मंत्री सी. विजयभास्कर, एम. आर. विजयभास्कर, एम.एस.एम. आनंदन और एस. वलारमथी जैसे दिग्गज नेता पाला बदल चुके हैं, जिससे विपक्ष लगातार वेंटिलेटर पर जाता दिख रहा है। सूत्रों का दावा है कि बागी विधायकों के इस अगले जत्थे में एआईएडीएमके के सबसे बड़े और प्रभावशाली क्षेत्रीय क्षत्रप माने जाने वाले एस. पी. वेलुमणि और सी. वी. शनमुगम के बेहद करीबी नेता शामिल हैं। राजनीतिक बाजार में यह भी चर्चा गर्म है कि जुलाई के अंत या अगस्त की शुरुआत तक ये दोनों दिग्गज नेता खुद भी पाला बदलकर टीवीके में शामिल हो सकते हैं।

ओपी राजभर का अखिलेश पर हमला, बोले- योगी सरकार को गुंडों का इलाज करना खूब आता है

लखनऊ ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। बलिया में अपने विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए राजभर ने आरोप लगाया कि सपा कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ प्रदर्शन किया क्योंकि वह सच लिख रहे हैं। उन्होंने अखिलेश यादव से अपने गुंडों को संभालने की नसीहत देते हुए कहा कि यदि कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश हुई तो योगी सरकार उससे सख्ती से निपटना जानती है। सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि मित्र अखिलेशजी, देख रहे हैं न अपने गुंडों की करतूत। बलिया में सैकड़ों की तादाद में आपके गुंडे मेरे खिलाफ सड़क पर उतर आए। क्यों? क्योंकि मैं सच लिख रहा हूं और सच आपको पच नहीं रहा। यही तो आप लोगों की पुरानी मानसिकता रही है। हमेशा से आप लोग गैर-यादव ओबीसी समाज के प्रति हेय दृष्टि रखते आए हैं। उन्होंने आगे लिखा कि हम मुर्दाबाद के नारों और काले कपड़ों से विचलित होने वालों में से नहीं हैं। हम तो उस समाज से हैं जिसके मुर्दाबाद के नारे आपके स्वजातीय हमेशा से लगाते आए हैं।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के अवूरा इलाके में रात भर हुई भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ में कई गाड़ियां बह गईं और क्षतिग्रस्त हो गईं।

राज्य के दर्जे को लेकर उमर अब्दुल्ला का केंद्र पर दबाव, बोले- सब्र की परीक्षा न लें

जम्मू,(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार की नीतियों पर कड़ा प्रहार करते हुए एक बड़ा राजनीतिक बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर उनके और प्रदेश की जनता के सब्र को केंद्र सरकार उनकी कमजोरी समझने की भूल न करे। हजरतबल में अपने दादा-दादी (शेख अब्दुल्ला और बेगम अकबर जहां) की मजार पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उमर अब्दुल्ला ने केंद्र से तीखा सवाल पूछा कि आखिर राज्य का दर्जा वापस देने का वह उपयुक्त समय कब आएगा और इसकी स्थिति कब साफ होगी?

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र की दोहरी नीति पर सवाल उठाते हुए कहा, यदि केंद्र सरकार लद्दाख के प्रतिनिधिमंडल और वहां के लोगों से बातचीत की मेज पर बैठने को तैयार है, तो फिर जम्मू-कश्मीर के आवाम और यहां की चुनी हुई सरकार से संवाद करने में क्या हिचकिचाहट है? अपनी दादी को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा धैर्य रखने की सीख ली है, लेकिन सब्र का मतलब चुपचाप बैठना या अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए आवाज न उठाना कतई नहीं है।

चार साल में चार्जशीट नहीं! सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को लगाई कड़ी फटकार

दिल्ली ,(आरएनएस)। देश की सर्वोच्च अदालत (सुप्रीम कोर्ट) ने एक आपराधिक मामले की जांच में हो रही अत्यधिक देरी को लेकर महाराष्ट्र सरकार और राज्य पुलिस की कार्यप्रणाली पर बेहद कड़ा रुख अपनाया है। न्यायालय ने अत्यंत तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि वारदात के चार साल बीत जाने के बाद भी पुलिस अब तक अदालत में चार्जशीट (आरोप पत्र) दाखिल नहीं कर पाई है, जो हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली की एक गंभीर और चिंताजनक खामी को उजागर करता है। कोर्ट के न्यायाधीश इस ढुलमुल रवैये से इस कदर नाराज थे कि उन्होंने राज्य सरकार को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यदि व्यवस्था में जल्द सुधार नहीं हुआ, तो वे सरकार को बेनकाब करने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

अदालत ने सरकार से मांगे तीखे सवाल

मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से इस असामान्य और अत्यधिक देरी पर स्पष्टीकरण मांगा है। अदालत ने सरकार से लिखित में जवाब देने को कहा है कि-

जांच को इतने लंबे समय तक लटकाए रखने के पीछे क्या मुख्य कारण थे? इस घोर लापरवाही और लेतीफी के लिए कौन-कौन से अधिकारी सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं? दोषी और लापरवाह पुलिस अधिकारियों के खिलाफ प्रशासन द्वारा अब तक क्या अनुशासनात्मक या कानूनी कार्रवाई की गई है? पीठ ने न्याय के सिद्धांतों को रेखांकित करते हुए कहा कि एक निश्चित समय सीमा के भीतर जांच पूरी करना और जल्द से जल्द चार्जशीट दाखिल करना किसी भी निष्पक्ष न्याय व्यवस्था की बुनियादी आवश्यकता है। अदालत ने जोर देकर कहा कि जांच में अनावश्यक और बेवजह का विलंब न केवल पीड़ित पक्ष के साथ अन्याय है,

आमिर खान की तीसरी शादी बनी राजनीतिक मुद्दा, नितेश राणे के बयान पर मचा घमासान

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता आमिर खान की तीसरी शादी को लेकर अचानक एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के मुखर नेता नितेश राणे ने अभिनेता पर बेहद तीखा हमला बोलते हुए उन्हें लव जिहाद का ब्रांड एंबेसडर करार दिया है। भाजपा नेता के इस विवादित बयान के बाद देश के राजनीतिक गलियारों से लेकर सामाजिक स्तर तक एक नई बहस छिड़ गई है और इस पर विभिन्न पक्षों की ओर से लगातार तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। भाजपा नेता नितेश राणे ने अपने बयान को सही ठहराते हुए तर्क दिया कि यह मामला केवल किसी फिल्म स्टार के निजी जीवन या व्यक्तिगत विवाह तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके व्यापक सामाजिक असर और पहलुओं पर खुलकर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने आमिर खान की तीसरी शादी के बहाने कई अन्य ज्वलंत राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों को भी हवा दी।

नई दिल्ली के मंदिर मार्ग पर जयप्रकाश सार्वजनिक पुस्तकालय के उद्घाटन समारोह के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा।

नई दिल्ली में बारिश के बाद पुराने यमुना रेलवे पुल के पास यमुना नदी का जलस्तर बढ़ गया है।

चुनाव आयोग ने नए मतदाताओं के लिए फॉर्म-6 में किया बदलाव, मांगी गई एसआईआर से जुड़ी जानकारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विवादों के बीच चुनाव आयोग ने अब नए मतदाता बनने के लिए जरूरी जानकारी में भी बदलाव किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, नए मतदाता पंजीकरण के लिए इस्तेमाल होने वाले फॉर्म 6 में अब माता-पिता के एसआईआर से जुड़ी जानकारी मांगी गई है। हालांकि, फिलहाल ये बदलाव केवल ऑनलाइन फॉर्म में हुआ है, जबकि ऑफलाइन फॉर्म में पहले की ही तरह है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फॉर्म 6 में एक डिक्लेरेशन है, जिसमें आवेदक से एसआईआर की जानकारी मांगी गई है। यहां 3 विकल्प हैं। पहला- मेरा नाम पिछले एसआईआर इलेक्टोरल रोल में है। दूसरा- मेरे माता-पिता (दादा, दादी) का नाम पिछले एसआईआर में है। तीसरा- न तो मेरा और न ही मेरे माता-पिता का नाम पिछले एसआईआर में है। पहले 2 विकल्प चुनने पर आवेदक से विधानसभा क्षेत्र, बूथ नंबर और अपने या अपने माता-पिता के नाम का सीरियल नंबर देना होता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फॉर्म-6 का कानूनी आधार जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत बनाए गए मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 से प्राप्त होता है। अधिनियम की धारा 28 में प्रावधान है कि केंद्र सरकार चुनाव आयोग से परामर्श करने के बाद आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना जारी कर नियम बना सकती है। रिपोर्ट में आयोग के पूर्व अधिकारियों के हवाले से कहा गया है, फॉर्म में मामूली बदलाव के लिए भी नियमों में संशोधन और कानून मंत्रालय द्वारा अधिसूचना की जरूरत होती है।

दरअसल, ये बदलाव ऐसे वक्त सामने आया है, जब एसआईआर को लेकर पूरे देश में विवाद का माहौल है। 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में हुए एसआईआर के बाद 5.58 करोड़ से ज्यादा नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। ऐसे में इन लोगों के बच्चों पर इस कदम का असर पड़ सकता है। पश्चिम बंगाल में तो विचाराधीन 27 लाख से ज्यादा मतदाता विधानसभा चुनावों में मतदान नहीं कर पाए, क्योंकि उनकी अपील ट्रिब्यूनल में लंबित है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फॉर्म में ये बदलाव उन सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दिखाई दे रहा है, जहां 2025-26 के दौरान एसआईआर हो चुका है।

बॉलीवुड की एवरग्रीन ड्रीम गर्ल और दिग्गज राजनेता हेमा मालिनी पिछले छह दशकों से सिनेमा प्रेमियों के दिलों पर राज कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपने बेमिसाल 60 साल पूरे होने का जश्न (डायमंड जुबली) मनाया। इस खास मौके पर जब उनसे उनकी बायोपिक को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने मौजूदा दौर की एक टॉप एक्ट्रेस को अपनी भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त बताया।

कई प्रोजेक्ट्स ठुकराने पर बोलीं अनुपमा की अद्रिजा रॉय, मैं इंतजार करना पसंद करुंगी, लेकिन बिना जुड़ाव के किरदार नहीं

अनुपमा में राही कपाड़िया के किरदार से अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने घर-घर में पहचान बनाई है। अद्रिजा ने कहा कि वह वहीं किरदार निभाना पसंद करती है, जिससे उन्हें दिल से जुड़ाव महसूस होता है। वहीं उन्होंने आगे कहा कि अब महिलाओं के लिए लिखे जाने वाले किरदारों में काफी सुधार आया है और दर्शक भी महिला केंद्रित कहानियों को खुले दिल से स्वीकार कर रहे हैं। अद्रिजा रॉय ने कहा, मुझे लगता है कि चीजें पहले से काफी बेहतर हुई हैं। अब महिलाओं को ज्यादा अहमियत रखने वाले किरदार मिल रहे हैं। हालांकि अभी भी सुधार की गुंजाइश है, लेकिन अच्छी बात यह है कि दर्शक अब महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियों को स्वीकार कर रहे हैं। यह इंडस्ट्री के लिए एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि जब कोई किरदार लोकप्रिय हो जाता है तो लोग उसी तरह के रोल में कलाकार को देखने लगते हैं।

उन्होंने कहा, जब कोई भूमिका लोकप्रिय हो जाती है तो लोग आपको उसी अंदाज में देखने लगते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि आपने उस किरदार को अच्छी तरह निभाया है। मैं इसके लिए किसी को दोष नहीं देती। लेकिन एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को और दर्शकों को सरप्राइज करना चाहती हूं। मैं एक ही तरह के किरदार बार-बार नहीं करना चाहती। मेरे लिए हर नया रोल कुछ नया सीखने का मौका होना चाहिए।

अद्रिजा ने अपने करियर के फैसलों को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, हर अभिनेता चाहता है कि उसके पास चुनने के लिए बहुत सारे विकल्प हों, लेकिन यह इंडस्ट्री हमेशा इस तरह काम नहीं करती।

कई बार कोई अच्छा प्रोडक्शन हाउस आपको ऐसा किरदार देता है, जो शायद आपकी पहली पसंद न हो। ऐसे में पूरी तस्वीर देखनी चाहिए। कहानी क्या है, टीम कैसी है और किरदार शो में क्या योगदान दे रहा है, इन सभी चीजों को समझना जरूरी होता है। हर स्थिति में कोई एक सही या गलत जवाब नहीं होता। हर कलाकार को अपने हिसाब से फैसला लेना पड़ता है।

दिलजीत दोसांझ की मैं वापस आऊंगा से रिलीज हुआ नया गाना धीरे धीरे, फहीम अब्दुल्ला और शिल्पा राव ने दी आवाज

दिलजीत दोसांझ की फिल्म मैं वापस आऊंगा पिछले महीने 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। 27 दिन बाद भी यह बॉक्स ऑफिस पर मौजूद है और इसने दुनियाभर में करीब 90.37 करोड़ रुपये की ताजा कमाई कर ली है। फिल्म में शरवरी वाघ, वेदांग रैना और नसीरुद्दीन शाह भी मौजूद हैं। निर्माताओं ने फिल्म से एक नया गाना धीरे धीरे जारी किया है, जो अब यूट्यूब पर मौजूद है। इसका फिल्मांकन फिल्म के सभी कलाकारों पर हुआ है।

इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित फिल्म में, नसीरुद्दीन ऐसे किरदार में हैं जो भारत विभाजन के कारण अपनी प्रेमिका से दूर हो गए थे। इस गम में उनकी याददाश्त चली गई। धीरे धीरे गाना उनके इसी संघर्ष और खोई यादों को दर्शाता है,

सिल्क साड़ी में जाह्नवी कपूर ने बिखेरा जलवा, ट्रेडिशनल आउटफिट में लगाया बोल्डनेस का तड़का

बॉलीवुड की यंग और खूबसूरत एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपने बेहतरीन फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

इन लेटेस्ट तस्वीरों में जाह्नवी का एक अलग ही अंदाज देखने को मिल रहा है, जहां उन्होंने भारतीय परंपरा को बोल्डनेस के साथ पेश किया है। तस्वीरों में जाह्नवी कपूर ने एक बेहद खूबसूरत लैवेंडर और गोल्डन शेड वाली सिल्क साड़ी पहनी हुई है। साड़ी का बॉर्डर काफी हैवी है, जो इसे बेहद रॉयल लुक दे रहा है।

साड़ी के साथ जाह्नवी ने मैचिंग स्ट्रैपलेस स्टाइल ब्लाउज कैरी किया है, जो उनके इस एथनिक लुक में मॉडर्न और ग्लैमरस टच जोड़ रहा है।

तस्वीरों में जाह्नवी एक से बढ़कर एक सेक्सी और अट्रैक्टिव पोज देते नजर आ रही हैं। वह अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। उनके इन बोल्ड पोज ने

ट्रेडिशनल लुक में भी हॉटनेस का तड़का लगा दिया है। जाह्नवी ने न्यूड-ग्लॉसी लिपस्टिक, सटल मेकअप, विंग्ड आईलाइनर और माथे पर एक छोटी सी बिंदी के साथ अपने चेहरे की खूबसूरती को निखारा है। इस रॉयल लुक को पूरा करने के लिए जाह्नवी ने अपने बालों का एक नीट और क्लीन स्लीक जूड़ा बनाया हुआ है, जिसे पारंपरिक हेयर एक्सेसरीज से सजाया गया है। ज्वेलरी की बात करें तो उन्होंने गले में एक बेहद हैवी कुंदन और पर्ल का चोकर नेकलेस, मैचिंग झुमके, हाथों में ढेर सारी खूबसूरत चूड़ियां, बाजूबंद और अंगूठियां पहनी हुई हैं, जो उनके लुक में चार चांद लगा रहे हैं।

रहूँ मैं तेरे रूबरू का पहला गीत जन्नत की सैर हुआ रिलीज़

फिल्म रहूँ मैं तेरे रूबरू के निर्माताओं ने फिल्म का पहला गीत जन्नत की सैर रिलीज़ कर दिया है, जिसने दर्शकों को इस साल की सबसे ताज़गीभरी प्रेम कहानियों में से एक की भावनात्मक झलक दी है। एस. एस. एंटरटेनमेंट वर्ल्ड प्रस्तुत इस मधुर रोमांटिक गीत में प्यार की मासूमियत, अपनापन और गहराई को बेहद खूबसूरती से दर्शाया गया है। यह गीत 17 जुलाई 2026 को होने वाली फिल्म की पैन-इंडिया सिनेमाघर रिलीज़ से पहले दर्शकों के बीच रोमांस का खूबसूरत माहौल तैयार करता है। शाहिद माल्या और खुशबू जैन की सुरीली आवाज़ों में सजा जन्नत की सैर एक बेहद खूबसूरती से रचा गया रोमांटिक गीत है, जो फिल्म के मुख्य कलाकार आर्या कुमार और नीता शेट्टी के बीच की मासूमियत, प्रेम और भावनात्मक जुड़ाव को बखूबी प्रस्तुत करता है। अपनी सुकूनभरी धुन, दिल को छू लेने वाली गायकी और आकर्षक दृश्यांकन के साथ यह गीत फिल्म की कहानी को और भी प्रभावशाली बनाता है तथा दर्शकों को उस प्रेम की झलक दिखाता है, जो फिल्म के रहस्यपूर्ण कथानक का सबसे अहम हिस्सा है। सोनू राव के मधुर संगीत और शब्बीर सुर्वे के अर्थपूर्ण गीतों से सजा यह गाना भावनाओं और सिनेमाई भव्यता का शानदार संगम प्रस्तुत करता है। संजू जाधव द्वारा कोरियोग्राफ किए गए इस गीत को सिनेमैटोग्राफर कमल एस. चौपाल और सोनू कुमार तिवारी ने अपनी खूबसूरत सिनेमैटोग्राफी से और भी आकर्षक बना दिया है, जिससे यह गीत दृश्य और भावनात्मक दोनों ही स्तरों पर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करता है।

जहाँ फिल्म की कहानी रोमांस, सस्पेंस, चौंकाने वाले रहस्यों और अप्रत्याशित मोड़ों से भरपूर एक दिलचस्प मर्डर मिस्ट्री पर आधारित है, वहीं जन्नत की सैर दर्शकों को इसके कोमल और भावनात्मक पक्ष से रूबरू कराता है। यह गीत न केवल मुख्य कलाकारों के बीच की केमिस्ट्री को और मजबूत बनाता है, बल्कि आगे कहानी में सामने आने वाले भावनात्मक संघर्षों की भी हल्की झलक देता है।

बॉक्स ऑफिस पर पस्त हुई अल्फा, पहले हफ्ते में 50 करोड़ भी नहीं कमा सकी फिल्म

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ अभिनीत वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा के लिए बॉक्स ऑफिस पर पहला हफ्ता काफी निराशाजनक रहा। सिनेमाघरों में दमदार शुरुआत करने के बाद सोमवार से गुरुवार में फिल्म की कमाई में भारी गिरावट देखी गई। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, रिलीज के 7वें दिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक का सबसे कम कारोबार किया, जिसके चलते ये अपने पहले हफ्ते में 50 करोड़ का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकी।

वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला-प्रधान फिल्म अल्फा ने शुरुआत में अच्छा प्रदर्शन करते हुए पहले वीकेंड पर 34 करोड़ की शानदार कमाई की थी, लेकिन इसके बाद फिल्म की कमाई में लगातार गिरावट देखने को मिली। बुधवार और गुरुवार को फिल्म का कारोबार काफी कम रहा। सैकनिल्क के अनुसार, रिलीज के 7वें दिन फिल्म ने केवल 2.60 करोड़ रुपये कमाए। इस तरह भारी गिरावट के कारण ये फिल्म अपने पहले हफ्ते में कुल 47.55 करोड़ रुपये ही जुटा पाई।

अल्फा ने एक शानदार वीकेंड के बाद अपनी रफ्तार पूरी तरह खो दी है। ये फिल्म 1 हफ्ते के भीतर 50 करोड़ का आंकड़ा पार करने में भी नाकाम रही। इसके अलावा अपने ओपनिंग वीकेंड तक ये आलिया भट्ट के करियर की 2 सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्में राज़ी और गंगूबाई काठियावाड़ी से आगे चल रही थी, लेकिन अब अल्फा कमाई के मामले में इन दोनों फिल्मों से काफी पीछे छूट गई है।

अल्फा की मुश्किलें अब और बढ़ने वाली हैं, क्योंकि सिनेमाघरों में अजय देवगन की कॉमेडी फिल्म धमाल 4 रिलीज हो गई है। इससे अल्फा के शोज काफी कम हो जाएंगे और उसकी कमाई बढ़ने की गुंजाइश न के बराबर बचेगी। करीब 150 करोड़ के भारी-भरकम बजट में बनी अल्फा को अपनी लागत निकालने के लिए भारत में कम से कम 100 करोड़ और दुनियाभर में 150 करोड़ की कमाई करनी होगी, जो फिलहाल तो नामुमकिन लग रहा है।

वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा रही अल्फा को उदय चोपड़ा ने लिखा है और इसका निर्देशन शिव रवैल ने किया है। इस फिल्म में बॉबी देओल और अनिल कपूर भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा फिल्म में ऋतिक रोशन ने भी एक कैमियो (विशेष भूमिका) किया है, जिसमें वो अपनी फिल्म वॉर के किरदार में नजर आए हैं। बता दें कि रिलीज के बाद इस फिल्म को समीक्षकोंसे ज्यादातर खराब रिव्यूज मिले।

मानसून के दौरान हरी पत्तेदार सब्जियों को धोते समय इन बातों का रखें ध्यान

मानसून के दौरान हरी पत्तेदार सब्जियां कीटों और बैक्टीरिया से अधिक प्रभावित होती हैं। इसलिए इन्हें इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह से धोना बहुत जरूरी है। हालांकि, कई लोग इन सब्जियों को सामान्य पानी से ही धो देते हैं, जो कि सही तरीका नहीं है। आइए आज हम आपको हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने के कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें आजमाकर आप कीटों और बैक्टीरिया से छुटकारा पा सकते हैं।

नमक के पानी का करें इस्तेमाल

हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने के लिए नमक का पानी सबसे अच्छा तरीका है। इसके लिए एक बाल्टी पानी लें और उसमें एक बड़ी चम्मच नमक मिलाएं। अब इस मिश्रण में हरी पत्तेदार सब्जियों को 10-15 मिनट के लिए भिगोकर छोड़ दें। इससे कीट और गंदगी आसानी से निकल जाएगी और सब्जियां ताजगी से भरी रहेंगी। नमक का पानी बैक्टीरिया को भी खत्म करता है, जिससे सब्जियां सुरक्षित रहती हैं।

सिरका भी है असरदार

सिरका एक बढ़िया उपाय है, जो हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने में मदद कर

सकता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में दो बड़े चम्मच सिरका मिलाएं और इसमें हरी पत्तेदार सब्जियों को 5-10 मिनट तक भिगोकर छोड़ दें। इससे न केवल कीट और गंदगी निकल जाएगी, बल्कि बैक्टीरिया भी मर जाएंगे। इसके बाद सब्जियों को साफ पानी से धो लें। यह तरीका सब्जियों को ताजगी से भरा रखता है और उन्हें सुरक्षित भी बनाता है।

नींबू का रस आएगा काम

नींबू का रस भी हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने के लिए अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में एक नींबू का रस निचोड़ें और इसमें हरी पत्तेदार सब्जियों को 5-10 मिनट तक भिगोकर छोड़ दें। इससे न केवल कीट और गंदगी निकल जाएगी, बल्कि बैक्टीरिया भी मर जाएंगे। इसके बाद सब्जियों को साफ पानी से धो लें।

बेकिंग सोडा का करें उपयोग

बेकिंग सोडा एक ऐसा पदार्थ है, जो हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में एक चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं और इसमें हरी पत्तेदार सब्जियों को 5-10 मिनट तक भिगोकर छोड़ दें। इससे न केवल कीट और गंदगी निकल जाएगी, बल्कि बैक्टीरिया भी मर जाएंगे। इसके बाद सब्जियों को साफ पानी से धो लें।

गर्म पानी का उपयोग भी है अच्छा उपाय

गर्म पानी का उपयोग करके भी आप हरी पत्तेदार सब्जियों को अच्छे से धो सकते हैं। इसके लिए एक बर्तन में गर्म पानी भरें और उसमें एक चम्मच नमक मिलाएं। अब हरी पत्तेदार सब्जियों को इस पानी में डालकर 5-10 मिनट तक छोड़ दें। इससे कीट और गंदगी निकल जाएगी, बैक्टीरिया भी मर जाएंगे। इसके बाद सब्जियों को ठंडे पानी से धो लें।

चॉकलेट के आदी बच्चों को खिलाएं उसके ये 5 सेहतमंद विकल्प, उन्हें स्वाद भी आएगा पसंद

बच्चों को चॉकलेट खाना बहुत पसंद होता है, लेकिन इसमें मौजूद चीनी और चर्बी के कारण उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में माता-पिता हमेशा इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि बच्चों को सेहतमंद मिठाइयां कैसे खिलाएं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे सेहतमंद विकल्प बताते हैं, जो चॉकलेट की तरह स्वादिष्ट हैं और बच्चों को बहुत पसंद आएंगे। चॉकलेट के ये विकल्प सेहत के लिए भी अच्छे हैं।

डार्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट बच्चों के लिए एक बढ़िया विकल्प है। इसमें कम चीनी होती है और यह सेहत के लिए फायदेमंद तत्वों से भरी होती है। आप डार्क चॉकलेट को पिघलाकर मिल्कशेक या स्मूदी में मिला सकते हैं या इसे फल के साथ परोस सकते हैं। यह बच्चों को मिठास देने के साथ-साथ उनकी सेहत का भी ख्याल रखती है। डार्क चॉकलेट का स्वाद भी बहुत अच्छा होता है, जिसे बच्चे इसे खुशी-खुशी खा

लेंगे।

कैरब पाउडर

कैरब पाउडर कैरब फल से बनता है और इसमें प्राकृतिक मिठास होती है। यह कोको पाउडर का सेहतमंद विकल्प है। आप इसे दूध, स्मूदी या दही में मिला सकते हैं या फिर इससे ब्राउनी और कुकीज बना सकते हैं। कैरब पाउडर में कैफीन नहीं होती, जिससे यह बच्चों के लिए सुरक्षित है। यह उनके लिए एक पौष्टिक विकल्प बन सकता है और उनकी सेहत का भी ख्याल रखता है। इसके अलावा यह स्वाद में भी बेहतरीन है। मेपल सिरप एक प्राकृतिक मीठा पदार्थ होता है, जिसे आप बच्चों के किसी भी व्यंजन में इस्तेमाल कर सकते हैं। यह रिफाइंड चीनी का अच्छा विकल्प है और इसमें कई जरूरी तत्व होते हैं। आप इसे पैनकेक, वैफल्स या ओट्स पर डाल सकते हैं या फिर इसे स्मूदी में मिला सकते हैं। मेपल सिरप का स्वाद भी बहुत अच्छा होता है, जिससे बच्चे इसे खुशी-खुशी खा लेंगे। यह उनकी सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

गुड़

गुड़ एक पारंपरिक मीठा पदार्थ है, जो आयरन और जरूरी तत्वों से भरा होता है। आप गुड़ को बारीक काटकर या कद्दूकस करके अपने बच्चों की रेसिपी में शामिल कर सकते हैं। गुड़ का सेवन पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करता है और खून साफ करता है। गुड़ का स्वाद भी बहुत अच्छा होता है, जिससे बच्चे इसे खुशी-खुशी खा लेंगे। यह उनके लिए एक पौष्टिक विकल्प बन सकता है और उनकी सेहत का भी ख्याल रखता है।

फलों का सिरप प्राकृतिक फलों से बनता है और इसमें कोई अप्राकृतिक स्वाद या रंग नहीं होता।

शब्द सामर्थ्य -096

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफिक्र, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

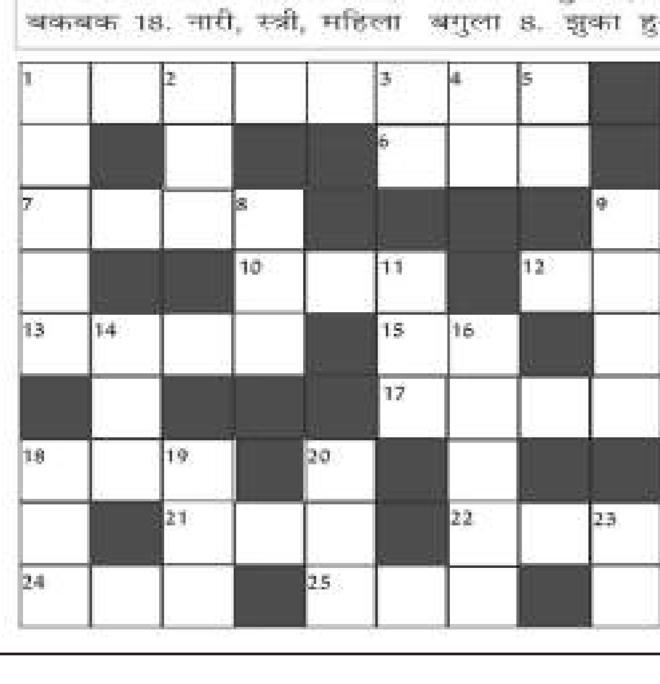

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 095 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौ	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी पाटन गोपिन्द्र सिंह ने बताया कि रात्रि विश्वसनीय मुखबिर से से सूचना मिली कि मनकेड़ी रोड़ ग्राम सिंगौरी बंजारी माता मंदिर के पास एक युवक पिट्ठु बैग टांगे हुये काले रंग की बिना नम्बर की स्पेलेण्डर मोटर सायकल में गांजा बेचने हेतु ग्राहक का इंतजार कर रहा है, सूचना पर एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत कार्यवाही करते हुये मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई, ग्राम मनकेड़ी रोड़ सिंगौरी बंजारी माता मंदिर के पास मुखबिर के बताये हुलिये का युवक पीठ में पिट्ठु बैग टांगे हुये बिना नम्बर की स्पेलेण्डर मोटर सायकल में दिखा

महाप्रबंधक ने नई रेललाइन सतना-देवेन्द्रनगर रेलखण्ड के बीच विस्तृत निरीक्षण -अमृत भारत स्टेशन योजना के कार्यों की प्रगति का लिया जायजा, गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर दिया विशेष बल

सांसद गणेश सिंह ने महाप्रबंधक के साथ सतना स्टेशन पुनर्विकास कार्यों, कैमा मालगोदाम का किया निरीक्षण

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह ने सतना निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत सतना रेलवे स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों, कैमा मालगोदाम तथा ललितपुर-सिंगरौली नई रेललाइन परियोजना के अंतर्गत सतना-देवेन्द्रनगर रेलखण्ड का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप पूर्ण करने के निर्देश दिए।

माननीय सांसद श्री गणेश सिंह से सौजन्य भेंट

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने सतना लोकसभा क्षेत्र के माननीय सांसद श्री गणेश सिंह से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर स्टेशन विकास, यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा क्षेत्र की रेल आवश्यकताओं से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। सांसद द्वारा दिए गए सुझावों का महाप्रबंधक ने गंभीरतापूर्वक संज्ञान लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अमृत भारत स्टेशन योजना के कार्यों का निरीक्षण

महाप्रबंधक एवं माननीय सांसद ने संयुक्त रूप से सतना रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत संचालित अधोसंरचना विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किए जाएं तथा निर्माण अवधि के दौरान यात्रियों की सुविधाओं एवं सुरक्षित आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए।

कैमा स्टेशन एवं मालगोदाम का निरीक्षण

निरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत माननीय सांसद एवं महाप्रबंधक कैमा रेलवे स्टेशन भी पहुंचे, जहां उन्होंने यात्री सुविधाओं एवं माल यातायात से संबंधित व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इसके उपरांत कैमा मालगोदाम का निरीक्षण कर माल लदान एवं परिचालन व्यवस्था की समीक्षा की तथा परिचालन को और अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सतना-देवेन्द्रनगर रेलखण्ड की तकनीकी व्यवस्थाओं की समीक्षा

महाप्रबंधक ने ललितपुर-सिंगरौली नई रेललाइन परियोजना के अंतर्गत सतना-देवेन्द्रनगर रेलखण्ड का निरीक्षण करते हुए रेलवे ट्रैक, सिग्नलिंग प्रणाली तथा ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) की तकनीकी व्यवस्थाओं का गहन परीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना से जुड़े सभी कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं, जिससे भविष्य में ट्रेनों का परिचालन सुरक्षित, सुचारु एवं निर्बाध रूप से सुनिश्चित हो सके।

गुणवत्ता, सुरक्षा एवं समयबद्धता पर विशेष जोर

निरीक्षण के समापन पर महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह ने जबलपुर मंडल में संचालित विकास कार्यों, सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा अनुरक्षण प्रणाली की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाओं को गुणवत्ता, सुरक्षा एवं समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूर्ण किया जाए, ताकि यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित एवं बेहतर रेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इस अवसर पर मुख्यालय से प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री आशुतोष, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री राजेश कुमार मंडल, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री अरविंद कुमार रजक, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर श्री मुकेश एवं अन्य मुख्य विभागाध्यक्ष और जबलपुर मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक सहित मुख्यालय एवं जबलपुर मंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्तर पर क्रियाशील संस्था काव्यधारा हैदराबाद के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर पर साहित्यकार सम्मेलन का द्वि दिवसीय आयोजन किया गया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। राष्ट्रीय स्तर पर क्रियाशील संस्था काव्यधारा हैदराबाद के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर पर साहित्यकार सम्मेलन का द्वि दिवसीय आयोजन समदडिया इन में किया गया जिसमें छ: प्रांतों के साहित्यकारों ने भाग लिया प्रथम दिवस सत्र का शुभारंभ वंदना गीत से हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. हरिशंकर दुबे थे। उन्होंने कहा की कवि का मन करुणामय होता है क्योंकि कविता करुणा से जन्म लेती है। अध्यक्षता कर रहे हैदराबाद के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.सत्य प्रसन्न ने वर्तमान साहित्य की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए समाज चेतना का प्रतीक बताया।

सारस्वत अतिथि डॉ.तनूजा चौधरी एवं सम्माननीय अतिथि विजय बागरी व राजेश पाठक प्रवीण ने विश्व शांति में साहित्य की भूमिका पर प्रकाश डाला।

प्रारंभ में काव्यधारा की अध्यक्ष डॉ. सुनीता ने कहां की विविध प्रति में काव्य धारा का आयोजन करने से वहां की संस्कृति संस्कार की भी जानकारी प्राप्त हो जाती है । झांसी के वरिष्ठ साहित्यकार बृजेश शर्मा काव्यधारा का विस्तार से परिचय भी दिया।इस अवसर पर काव्यधारा का संग्रह खुशबू एक सुखन तथा मानसी एवं हैदराबाद की वरिष्ठ कवयित्री मनोरमा शर्मा की काव्य कृति %सूर्य निकलता है रोजाना% का विमोचन अतिथियों के साथ हीरालाल यादव मुंबई, डॉ. अलका शर्मा भिवानी, असीम आमगाबी, बृजेश त्रिवेदी हरियाणा ने किया।संचालन मिथिलेश बड़गईया, विनीत श्रीवास्तव,सुनीता हैदराबाद ने किया। अतिथि साहित्यकारों को नगर की पाथेय संस्था की ओर से राजेन्द्र मिश्रा, बसंत शर्मा,आचार्य विजय किसलय, विजय नेमा,गणेश प्यासा,संतोष नेमा, डॉ.अनिल कोरी, दीपक तिवारी, डॉ.वीरेंद्र दुबे सिद्धेश्वरी सराफ, आशुतोष तिवारी ने सम्मानित किया। द्वितीय सोपान में राजकुमार महोबिया के संचालन में काव्य गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें अतिथि साहित्यकारों के अतिरिक्त प्रकाश ठाकुर,दीपक तिवारी,गणेश प्यासा,प्रतिमा अखिलेश, विनीता पैगवार,वंदना सोनी, तरुणा खरे सहित अनेक कवियों ने काव्य रस वर्षा की। आयोजन के द्वितीय दिवस %संस्कृति संस्कार और प्रकृति के संग साहित्यकारों के रंग% का आयोजन किया गया जिसमें प्राकृतिक स्थलों के दर्शन करते हुए संस्कृति पर विमर्श किया गया जिसमें अनेक साहित्यकारों ने सहभागिता की।

आईना ने रचा नया इतिहास, 775 साहित्यकारों की सहभागिता से बना विश्व रिकॉर्ड

वैश्विक साहित्यिक मंच,ने अपने के माध्यम से एक नया इतिहास रचते हुए गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थान प्राप्त किया है। 'सात आयाम जीवन के' विषय पर आयोजित इस अभिनव अभियान में देश-विदेश के 775 साहित्यकारों, कवियों और रचनाकारों ने डिजिटल माध्यम से अपनी रचनात्मक सहभागिता दर्ज कर विश्व कीर्तिमान स्थापित किया।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना का सफल नेतृत्व अंतरराष्ट्रीय काव्य प्रेमी मंच की संस्थापक-अध्यक्ष एवं,ढ्ढ्र की संस्थापक डॉ. ममता सैनी ने किया। उनके मार्गदर्शन में यह अभियान साहित्य, संस्कृति और आधुनिक तकनीक के समन्वय का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा।

डॉ.ममता सैनी ने बताया कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि में आईना के ग्लोबल एम्बेसडर्स डॉ. मुकुल तिवारी, डॉ.राजीव खरे, सुनीता महेश्वरी, डॉ. शंभु पंवार, डॉ. गीतांजलि नीरज अरोड़ा 'गीत',डॉ. सरोज दुबे, डॉ. दुर्गा सिन्हा, सरोज कुमार, गीता विश्वकर्मा, राजपाल यादव, अनीस अहमद, गुलाबचंद पटेल, मीता अग्रवाल, डॉ. अंजली बजाज, प्रीतम कुमार झा तथा डॉ. मनोज अग्रवाल एवं ग्रोथ पार्टनर्स डॉ. दीप्ति गौड़,रिंकी अग्रवाल %प्राची%, कृष्ण पाल सिंह,योगिता चौरसिया,नवनीता कटकवार,सुमिता मूंदड़ा,डॉ. रामदेव शर्मा %राही%,उमा शर्मा,पागल फकीरा,कुमारी शिल्पा राजपूत,डॉ. अजय पंचभाई एवं आनंद जैन %अकेला%,बलवान सिंह %मानव,%अनिता भदवरिया सहित सभी प्रतिभागी रचनाकारों का उल्लेखनीय योगदान रहा। उन्होंने कहा कि साहित्य समाज की चेतना, संस्कृति और मानवीय मूल्यों का जीवंत दस्तावेज है। विभिन्न देशों और पृष्ठभूमियों के रचनाकारों को एक साझा मंच पर जोड़कर यह अभियान वैश्विक संवाद और सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बना है। डॉ.सैनी के अनुसार यह उपलब्धि किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उन सभी साहित्यकारों, लेखकों, कवियों, रचनाकारों, ग्लोबल एम्बेसडर्स, ग्रोथ पार्टनर्स, सहयोगी संस्थाओं और प्रतिभागियों की सामूहिक सफलता है, जिन्होंने इस अभियान को विश्व रिकॉर्ड तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विश्व रिकॉर्ड परियोजना के अंतर्गत वर्ष 2026 के साहित्यकारों और चिंतकों के विचारों को 'सात आयाम जीवन के' विषय पर एक विशेष संकलन के रूप में संरक्षित किया गया है। यह संकलन वर्तमान समय की वैचारिक धरोहर होने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण साहित्यिक दस्तावेज सिद्ध होगा।यह विश्व रिकॉर्ड सामूहिक सृजनशीलता,साहित्यिक प्रतिबद्धता, सांस्कृतिक चेतना और डिजिटल नवाचार का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर सामने आया है। इस साहित्यिक परियोजना में संस्कारधानी जबलपुर की डॉ. मुकुल तिवारी को उनके उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए (उत्कृष्ट योगदानकर्ता)% सम्मान से सम्मानित किया गया। ग्रोथ पार्टनर डॉ. विनीता पाण्डे %विनीत%, एड. तृप्ति त्रिवेदी, डॉ. अपर्णा अवस्थी, डॉ. निरुपमा पाठक, डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव, डॉ. रश्मि शुक्ला, डॉ. निधि मधुर, डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी आदि ने भी विशेष योगदान दिया। म.प्र. के जबलपुर एवं आसपास के लगभग दो सौ महिला एवं पुरुष साहित्यकारों ने अपनी काव्य रचनाएँ प्रेषित कीं। बयासी वर्ष से अठारह वर्ष तक की आयु के रचनाकारों ने अपनी स्वरचित कविताएँ विश्व क्षितिज पर,ढ्ढ्र पोर्टल के माध्यम से साझा कीं।

बर्ड इवेंट में लाइफ ओके न्यूज़ के स्टेट ब्यूरो चीफ मोहम्मद शारिक खान का सम्मान

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। अजबा बर्ड फार्म द्वारा आयोजित देश के सबसे बड़े बर्ड इवेंट में लाइफ ओके न्यूज़ चैनल के स्टेट ब्यूरो चीफ मोहम्मद शारिक खान का उनके उत्कृष्ट मंच संचालन एवं सामाजिक योगदान के लिए भव्य सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान मोहम्मद शारिक खान ने अपने प्रभावशाली एवं गरिमामय मंच संचालन से पूरे आयोजन को सफलतापूर्वक संचालित किया। उनकी प्रभावशाली एंकरिंग की उपस्थित अतिथियों, पक्षी प्रेमियों एवं प्रतिभागियों ने सराहना की।

इस अवसर पर मोहम्मद शारिक खान का शॉल ओढ़ाकर एवं सम्मान-चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने उनके मंच संचालन की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके कुशल संचालन ने कार्यक्रम को और अधिक भव्य एवं यादगार बना दिया।

जबलपुर-कोलकाता सीधी वायुसेवा की घोषणा का किया गया स्वागत

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर संघर्ष समिति ने एलायंस एयर द्वारा जबलपुर से कोलकाता के लिए सीधी वायुसेवा प्रारंभ करने की घोषणा का हर्ष व्यक्त करते हुए इसका स्वागत किया है। समिति ने इसे जबलपुर की वायु संपर्क व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। समिति के संयोजक हिमांशु खरे ने बताया कि अप्रैल 2026 में जबलपुर संघर्ष समिति ने एलायंस एयर के शीर्ष प्रबंधन को पत्र लिखकर तथा विस्तृत चर्चा कर जबलपुर की वायु कनेक्टिविटी का विस्तार करने का आग्रह किया था। इस दौरान एलायंस एयर के स्थानीय प्रबंधन ने भी सकारात्मक सहयोग प्रदान किया, जिसके परिणामस्वरूप आज जबलपुर-कोलकाता सीधी वायुसेवा प्रारंभ करने की घोषणा हुई है। समिति ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए जबलपुर के लोकसभा सांसद श्री आशीष दुबे के विशेष प्रयासों एवं सक्रिय भूमिका की भी सराहना की। समिति का मानना है कि सांसद के सतत प्रयासों और सभी पक्षों के समन्वित सहयोग से यह मांग साकार हो सकी है। समिति के बलदीप मैनी, मनु शरत तिवारी, हिमांशु राय, प्रीति चौधरी, आई के खन्ना, अभिषेक जैन, सुनील श्रीवास्तव ने आशा व्यक्त की है कि भविष्य में जबलपुर से पुणे, अहमदाबाद, चेन्नई तथा अन्य प्रमुख महानगरों के लिए भी नियमित और अधिक उड़ानें प्रारंभ की जाएंगी, जिससे महाकौशल क्षेत्र के उद्योग, व्यापार, पर्यटन, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को नई गति मिलेगी। समिति के अरुण पवार, देवब्रत मिश्रा, पी एस राजपूत, ने एलायंस एयर प्रबंधन, स्थानीय प्रबंधन तथा सांसद श्री आशीष दुबे का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जबलपुर की वायुसेवाओं के विस्तार के लिए समिति के प्रयास भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।

90 से अधिक महिला उद्यमियों ने ली शपथ, महिला सशक्तिकरण एवं वोकल फॉर लोकल को नई दिशा

कैट महिला विंग, जबलपुर चैप्टर का गठन एवं भव्य शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (ष्ट्रढ्ढञ्ज) महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती संगीता पाटिल के मार्गदर्शन एवं गरिमामयी उपस्थिति तथा राष्ट्रीय कन्वीनर श्रीमती सीमा सिंह चौहान के नेतृत्व में कैट महिला विंग, जबलपुर चैप्टर का विधिवत गठन एवं भव्य शपथ ग्रहण समारोह वेलकम होटल (बाय आईटीसी), जबलपुर में अत्यंत उत्साह, गरिमा एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

समारोह में 90 से अधिक महिला उद्यमियों एवं प्रबुद्ध महिलाओं ने संगठन के प्रति निष्ठा एवं समर्पण की शपथ लेते हुए महिला उद्यमिता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने तथा卐वोकल फॉर लोकल एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर नम्रता भाटिया ने जिला अध्यक्ष, प्रतिभा जैन ने जिला उपाध्यक्ष, दिव्या डोडेजा जा ने जिला सचिव तथा सपना जैन ने जिला कोषाध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण की साथ ही साथ एक्सपर्ट एडवाइजर कमिटी का भी गठन हुआ जिसमे एकता कालरा, सुषमा बजाज मंजीत चक्कल, नंदिनी भारील सुलेखा क्षत्रिय आदि ने शपथ ग्रहण की । संगठन को सुदृढ़ एवं व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने के उद्देश्य से 14 विभिन्न विषय आधारित समितियों का गठन किया गया तथा अनेक समितियों के पदाधिकारियों का इंस्टॉलेशन भी संपन्न हुआ।

गठित प्रमुख समितियों में सदस्यता एवं समन्वय समिति, कौशल विकास एवं कार्यशाला समिति, फैशन, हस्तशिल्प एवं क्रिएटिव बिजनेस समिति सहित विभिन्न समितियाँ शामिल हैं। इनमें अनुपमा ठाकुर, मनीषा श्रीवास्तव पूनम चौहान,डॉ. रानी वैद्य,गीत गोगिया,साधना गोखलानी, डॉ रैना तिवारी,रूपाली गुप्ता बरसैंया, शिल्पा समइया एवं पिनाकिनी पांडे,सृष्टि तिवारी,डॉ. श्वेता जैन, रश्मि दुबे, , स्वाति सोनी, सीमा गोयल, अमृशा देशमुख,अनुभूति बादशाह,शेफाली सिंह,श्वेता दासगुप्ता, शुभांगी शुक्ला, प्रिया उज्ज्वल सिंह, शिल्पा समैया, गीतिका राठौड़,दीपम, निधि गँगराड़े, भावना मनवानी सहित अनेक महिला उद्यमियों को विभिन्न दायित्व सौंपे गए।

अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती संगीता पाटिल ने कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से देश के व्यापार एवं उद्योग को नई ऊर्जा मिलेगी तथा कैट महिला विंग महिला उद्यमियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए निरंतर कार्य करेगी।

राष्ट्रीय कन्वीनर श्रीमती सीमा सिंह चौहान ने विश्वास व्यक्त किया कि जबलपुर चैप्टर मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि देशभर में महिला उद्यमिता का एक आदर्श एवं प्रेरणादायी मॉडल बनकर उभरेगा।

कार्यक्रम में लोकसभा सांसद श्री आशीष दुबे,ने कहा कि भारत के व्यापार जबरदस्त जिस तरह से प्रगति हो रही है, इसमें महिलाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान है ,

उन्होंने कहा कि आपको किसी भी तरीके की कोई समस्या आ रही होगा पर करने में हम सदैव आपके साथ,

विधायक श्री अभिलाष पांडे ने कहा कि जिस तरीके से आज यहां उद्यमी महिलाओं की संख्या देख रही है इससे ऐसा लगता है कि वह समय दूर नहीं जबकि महिलाएं भी पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए अग्रसिव है,

जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री संदीप जैन से कैट उधमी महिला द्वारा एक महिला मार्केट बनाए जाने की मांग को उन्होंने पूर्णता स्वीकार करते हुए कहा कि इस पर हर कोशिश प्रयास किए जाएंगे, उनकी जहां जिस भी तरीके की जरूरत पड़ेगी वह आप सभी के साथ है,

मध्यप्रदेश कैट फेडरेशन के अध्यक्ष श्री हिमांशु खरे ने कहा कि सरकार की एमएसएमई एवं अन्य योजनाएं जो है वह महिलाओं के लिए सर्वाधिक है इस पर महिलाओं को आगे आकर इसका पूरा लाभ लेकर अपने व्यापार को आगे बढ़ना चाहिए,

कैट जबलपुर के अध्यक्ष राजीव बडेरिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जितेंद्र पचौरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संदेश जैन, संभागीय अध्यक्ष दीपक सेठी, प्रदेश मंत्री रोहित खटवानी, राजा सराफ, मदन अवस्थी, मनु शरत तिवारी, सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के दौरान आगामी भारतीय व्यापार महोत्सव एवं नारी शक्ति वंदन अभियान को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना हनुमानताल में मोह. शहनवाज कुरैसी 24 वर्ष निवासी स्लाटर हाउस रोड हनुमानताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि दोपहर लगभग 12 बजे दादामिया दरगाह में दर्शन करने गया था वहां पर मोहल्ले का अल्ताफअपने साथी के साथ खड़ा था जो उससे शराब पीने के लिये 500 रूपये मांगने लगा, उसने रूपये देने से मना किया तो अल्ताफएवं अल्ताफका साथी उसके साथ गाली गलोज करने लगे, गालियां देने से मना करने पर अल्ताफने चाकू से हमलाकर उसके दाहिने हाथ में चोट पहुँचा दी वह अपना बचाव करने के लिये भागने लगा

रेलवे स्टेशन पर पकड़ी गई महिला चोर गिरोह की दो सदस्य, ट्रेन व प्लेटफार्म पर महिला यात्रियों को बनाती थी निशाना

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 6 परिसर में संदिग्ध हालात में घूम रही दो महिलाओं को जीआरपी ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों महिलाओं के कब्जे से जेवर बरामद किए है। उक्त जेवर दोनों आरोपियों ने महिला यात्रियों के पास से चोरी किए थे। गिरोह की अन्य सदस्य महिलाओं के बारे में पुलिस की टीम पूछताछ कर रही है।

जीआरपी के अनुसार रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 के अंतिम छोर पर दो महिलाएं संदिग्ध अवस्था में घूम रही थी। इस दौरान पुलिस की टीम गश्त करते हुए पहुंची तो दोनों ने दौड़ लगा दी, पुलिस ने पीछा करते हुए दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ में

उन्होने अपना नाम रूपा माली उम्र 25 वर्ष निवासी हिंडोलिया जिला दमोह व रेखा माली 25 वर्ष निवासी ललितपुर यूपी बताया। पुलिस को पूछताछ में बताया कि वे ट्रेनों व प्लेटफार्म पर बैठी महिलाओं के पास रखा सामान चोरी करती है। तलाशी के दौरान पुलिस ने चांदी के जेवर बरामद किए है, जो हालत में ही हुई चोरी की तीन वारदातों से संबंधित है। जिसमें दो चांदी की पायल, दो चांदी की चेन, एक चांदी का ब्रेसलेट और बिछिया शामिल हैं।

घूम-घूम कर करती है चोरी की वारदातें-

पुलिस को पूछताछ में पता चला है कि दोनों महिलाओं को कोई स्थाई ठिकाना नहीं है, वे घूम-घूम कर चोरी की वारदातों को अंजाम देती है। पुलिस अब दोनों के अपराधिक रिकार्ड के बारे में पता लगा रही है। इसके अलावा यह भी पता लगाया जा रहा है कि गिरोह में और भी सदस्य है या नहीं।

सीमेंट से भरे ट्रक से टकराया दूसरा ट्रक, ड्राइवर-क्लीनर ने कूदकर बचाई जान

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर के सिहोरा बायपास रोड पर आज दोपहर दो बजे के लगभग सीमेंट से लदे ट्रक को पीछे से आए ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे सीमेंट से लोड ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक व क्लीनर ने कूदकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद इस रोड पर सीमेंट की बोरिया बिखरने के कारण जाम के हालात निर्मित हो गए थे।

पुलिस के अनुसार मैहर से सीमेंट लोड करके ट्रक ड्राइवर अब्दुल रहमान छिंदवाड़ा के लिए रवाना हुआ, उसके साथ क्लीनर मनोज यदुवंशी भी था। ट्रक जब सिहोरा बायपास रोड से आगे बढ़ रहा था, इस दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर लगते ही सीमेंट से लोड ट्रक अनियंत्रित डिवाइडर से टकराते हुए बीच सड़क पर पलट गया। जिससे ट्रक में लोड सीमेंट सड़क पर गिरकर बिखर गई, वहीं चालक व क्लीनर अपनी जान बचाने के लिए ट्रक से कूद गए। दुर्घटना होते देख आसपास से गुजर रहे भारी वाहन के चालक रुक गए। दुर्घटना में ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी पहुंच गए, जिन्होने क्रेन की मदद से ट्रक को हटवाया, वहीं सीमेंट की बोरिया किनारे कराई। इसके बाद यहां पर यातायात शुरु हो सका।

आरपीएफ ने ट्रेनों में जबरन वसूली करने वाले 4 किन्नरों को किया गिरफ्तार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पमरे के जबलपुर रेल मंडल में ट्रेनों में यात्रियों से जबरन पैसे वसूलने की शिकायतों पर रेलवे सुरक्षा बल ने कार्रवाई करते हुए चार किन्नरों को गिरफ्तार किया है। सभी के खिलाफ रेलवे अधिनियम की धाराओं 145 और 147 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आरपीएफ को लगातार शिकायत मिल रही थी कि कुछ किन्नर ट्रेनों में चढ़कर यात्रियों से जबरन पैसे मांगते हैं। पैसे नहीं देने पर वे अभद्रता करते थे और कई बार विवाद व हाथापाई की स्थिति भी बन जाती थी। रविवार को आरपीएफ पोस्ट प्रभारी राजीव खरब के निर्देशन में उप निरीक्षक प्रवीण कुमार, प्रधान आरक्षक प्रेम सिंह और आरक्षक हरिकेश दुबे ने स्टेशन और ट्रेनों में विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान प्लेटफॉर्म नंबर-6 के कटनी छोर पर चार किन्नर यात्रियों से पैसे मांगते हुए मिले। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि वे ट्रेनों में यात्रियों से पैसे मांगते हैं। उनके पास से वसूली गई नकदी भी बरामद हुई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे कटनी जिले के गायत्री नगर के रहने वाले हैं और उनके गुरु का नाम हेमा है। वे रोजाना कटनी से जबलपुर, नरसिंहपुर और पिपरिया तक ट्रेनों में सफर कर यात्रियों से पैसे मांगते थे। गिरफ्तार आरोपियों में लीजा (22), नैन्सी (23), तानिया (27), रीना (26), चारों निवासी गायत्री नगर, कटनी हैं। आरपीएफ ने सभी के खिलाफ रेलवे अधिनियम की धारा 145 और 147 के तहत कार्रवाई की है।

अज्ञात चोर कार चुरा ले गया

जबलपुर- थाना लार्डगंज में दिनांक 12-7-26 को संजय राहुल जैन उम्र 54 वर्ष निवासी कमानिया गेट के पास कोतवाली ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि दिनॉक 12-7-26 की रात 4-30 बजे रानीताल धोबीघाट की ओर से आगा चौक की ओर जा रहा था, उजारपुरवा मे अपनी सैंट्रो कार एमपी 15 सीए 7087 खडी कर बीयर लेने कलारी में गया था, चाबी कार में ही लगी थी। शराब दुकान से वापस आया तो देखा कि उसकी कार गायब थी। कोई अज्ञात चोर उसकी सैंट्रो कार चुरा ले गया है। रिपोर्ट पर धारा 303(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

कंजड़ मोहल्ले से चाय पीकर लौट रहे युवक को बदमाश ने मारा चाकू

तलाश में जुटी बेलबाग पुलिस

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। बेलबाग थाना क्षेत्र अंतर्गत आकांक्षा अस्पताल के पास एक 18 वर्षीय छात्र पर सरेराह चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। वारदात का कारण शराब पीने के लिए पैसे न देना बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसारए खटीक मोहल्ला घमापुर निवासी स्नेहिल सोनकर ;18 वर्षद्ध पढ़ाई करता है। वह कंजड़ मोहल्ले से चाय पीकर पैदल अपने घर वापस लौट रहा था। जैसे ही वह आकांक्षा अस्पताल के बाजू में पहुंचाए तभी वहां मोहल्ले का ही रहने वाला शातिर बदमाश टुकटुक उर्फ आरजू सोनकर मिल गया। बदमाश टुकटुक ने स्नेहिल का रास्ता रोक लिया और उससे अड़ीबाजी करते हुए शराब पीने के लिए 500 रुपये की मांग करने लगा। स्नेहिल ने जब सुबह.सुबह इस तरह पैसे देने से साफमना कर दियाए तो आरोपी टुकटुक आपे से बाहर हो गया। उसने सरेराह स्नेहिल के साथ मां.बहन की गंदी.गंदी गालियां देना शुरू कर दिया। जब स्नेहिल ने गाली देने का विरोध कियाए तो आरोपी ने जेब से धारदार चाकू निकाला और उस पर जानलेवा हमला कर दिया। चाकू का सीधा वार स्नेहिल के बाएं पैर की जांघ पर लगाए जिससे खून बहने लगा और वह वहीं गिर पड़ा। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी टुकटुक पीड़ित को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से रफूचक्कर हो गया। घायल अवस्था में पीड़ित ने परिजनों के साथ बेलबाग थाने पहुंचकर मामले की लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत घायल छात्र को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया और आरोपी टुकटुक उर्फ आरजू सोनकर के खिलाफपंजीबद्ध किया है। बेलबाग थाना पुलिस का कहना है कि मामला दर्ज कर विवेचना में ले लिया गया है। फरार आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही हैए उसे जल्द ही गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

सूने मकान का ताला तोडकर चोर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना ग्वारीघाट में कपिल शर्मा उम्र 59 वर्ष निवासी जिलेहरी गांव ग्वारीघाट ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि विजली विभाग से रिटायर्ड है दिनांक 8-7-26 को घर में ताला लगाकर अपने परिरवार के साथ रिश्तेदारी में इंदौर गया था उसके घर के बाजू उसका छोटा भाई मनीष शर्मा अपने परिवार के साथ रहता है दिनांक 11-7-26 को छोटे भाई मनीष शर्मा ने फोन पर बताया कि आपके घर के दरवाजे का ताला टूटा है रात लगाभग 11 बजे वह इंदौर से घर वापस आया देखा का घर का ताला टूटा हुआ था अंदर की आलमारी का लॉक टूटा हुआ सामान बिखरा हुआ था चैक करने पर आलमारी में रखी सोने की चैन, टूटा हुआ मंगलसूत्र, 1 अंगूठी, एक जोड़ी बाली, चांदी की एक जोड़ी पायल, भगवान की 2 मूर्ति, नगदी 3 हजार रूपये गायब थे

शराब पीने के लिये रूपयों की मांग, रूपये न देने पर मारपीट

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना भेड़ाघाट में आज दिनांक 13-7-26 की रात्रि महेन्द्र अहिरवार उम्र 25 वर्ष निवासी देव भूमि परिसर चौकीताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी दलपतपुर मोड़ ग्राम चौकीताल में मोटर सायकल सुधारने की दुकान है तथा दुकान के बाजू में उसके बड़े भाई गनेश अहिरवार की दुकान है दिनांक 12-7-26 की रात लगभग 9 बजे वह एवं बड़े भाई गनेश अपनी अपनी दुकान में थे तभी अर्पित उर्फ गोलू पटैल आकर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित करते हुये शराब पीने के लिये पेसों की मांग करने लगा, उसने पैसे देने से मना किया तो अर्पित उसे मारने दौड़ उसने अपने भाई को आवाज लगाई तो अर्पित भाग गया,

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13,मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/13/मुख्यालय 2026/27/एम/103 दिनांक 13.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्री चन्द्र भूषण, पिता श्री राजदेव सिंह, 2. कुमारी प्रतिभा सिंह, पिता श्री चन्द्र भूषण,** ने मकान नं. 1205/एफ.एफ.- 113-115 **वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड,** प्रथमतल 1144 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13,मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/13/मुख्यालय 2026/27/एम/104 दिनांक 13.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री बसंत कुमार जैन एवं श्री पदम चंद जैन, दोनों के पिता स्व. श्री आनन्दी लाल जैन, एवं श्रीमती ममता जैन, पति श्री बसंत कुमार जैन** ने मकान नं. 40 **वार्ड पं. भवानी प्रसाद तिवारी वार्ड,** भूतल 544 व.फु., प्रथमतल 326 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13,मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/13/मुख्यालय 2026/27/एम/101 दिनांक 13.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. डॉ. श्री रोमेश चावलानी, पिता श्री किशन चन्द्र चावलानी, 2. डॉ. श्रीमती रश्मि चावलानी, पति डॉ. श्री रोमेश चावलानी** ने मकान नं. 372,373 **वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड,** भूतल 1765 व.फु., प्रथमतल 1710 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13,मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/13/मुख्यालय 2026/27/एम/102 दिनांक 13.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री इरशाद अहमद वानी, पिता श्री मोहम्मद रमजान वानी** ने मकान नं. 1448 ब्लाक बी- फ्लेट नं. 408 **वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड,** चुतर्थ तल 886 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026 एम. 279/ 2026/27 दिनांक 13.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती सरोज स्वर्णकार, पति श्री विनोद कुमार स्वर्णकार** ने खसरा क्रं. 69/1 का भाग पिन क्र. 9000198380 **वार्ड क्र. 71, वार्ड- वीर दुर्गादास राठौर वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री राम प्रसाद डेहरिया, पिता- स्व. श्री पुसू प्रसाद डेहरिया, प्लाट क्षेत्रफल 825 व.फु., भूतल 700 व.फु., प्रथमतल 700 व.फु. , **विक्रयपत्र ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/113 2026-27 दिनांक 13/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **1000620307,** में पंजीकृत भवन स्वामी **श्रीमती रमेश रानी चतरथ/ श्री जे.बी. चतरथ/ श्री किरगी लाल चतरथ** के स्थान पर आवेदक- **श्री दीपक चथरथ, पिता स्व. श्री जे.बी. चथरथ** ने **मकान नं. 730 वार्ड क्र. ..... , गुप्तेश्वर वार्ड,** प्लाट क्षेत्रफल 1435 व.फु., भूतल 1205 व.फु., **दस्तावेज- मृत्यु प्रमाण पत्र, पंजीकृत हकत्याग पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अ./03/2026-27/ एम 159/ दिनांक 13.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती प्रिया शिवहरे, पति श्री विकास शिवहरे** संपत्ति पिन नं. 1000517976, भवन क्रं. 1973 , **वार्ड शंकर शाह नगर वार्ड ,** प्लाट 339 व.फु.,**दानपत्र** के आधार पर नगर निगम भवन क्रं. 1973, **वार्ड शंकर शाह नगर वार्ड ,** पंजीकृत गृह स्वामी कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार- श्रीमती गीता शिवहरे/ श्री विजय कुमार शिवहरे के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिस किसी को उक्त प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय **संभाग क्रमांक-03 शक्ति भवन रोड, रामपुर** नगर निगम जबलपुर में प्रमाण दस्तावेजो सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं-03 रामपुर नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2026-27/ एम/110 जबलपुर दिनांक 13.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री हेमेन्द्र बैरागी, पिता श्री राजकुमार बैरागी,** मकान नं. 3120/पी-72 **वार्ड. पं. दीनदयाल उपाध्याय** पिन नं. ...., क्षेत्रफल 1000 व.फु., भूतल 850 व.फु., प्रथमतल 700 व.फु., द्वितीयतल 700 व.फु., **संलग्न-विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-6 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2026-27/ एम/108 जबलपुर दिनांक 13.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्री सुधीर कुमार मिश्रा, पिता- स्व. श्री स्वामी प्रसाद मिश्रा, 2. श्री सतीश कुमार मिश्रा, पिता स्व. श्री स्वामी प्रसाद मिश्रा** मकान नं. 1395/ पी- 14 **वार्ड. राजीव गांधी** पिन नं. 1000348682, क्षेत्रफल 1500 व.फु., भूतल 900 व.फु.+ जी.एफ. कमर्शियल 220 व.फु. , प्रथमतल 805 व.फु., **संलग्न- शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विकास प्राधिकरण नामान्तरण पत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-6 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2026-27/ एम/107 जबलपुर दिनांक 13.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती किरण श्रीवास्तव, पति स्व. श्री संतोष कु. श्रीवास्तव, एवं पुत्र- अंशुल, अशुमान दोनों के पिता स्व. श्री संतोष कु. श्रीवास्तव, पुत्री- नेहा श्रीवास्तव, पिता स्व. श्री संतोष कु. श्रीवास्तव** मकान नं. 1047 **वार्ड. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद** पिन नं. 1000409534, क्षेत्रफल 2400 व.फु., भूतल 1150 व.फु., प्रथमतल 1100 व.फु., **संलग्न- न्यायालय आदेश, खसरा कापी,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-6 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -209 दिनांक 13.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **1. श्री कालूराम विश्वकर्मा, पिता श्री भागीरथ विश्वकर्मा, 2. श्री अनिल विश्वकर्मा, पिता- श्री के.आर. विश्वकर्मा,** ने मकान नं. 2349 सम्पत्ति पिन नं. 1000493540 **वार्ड मदन महल-15 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 833 व.फु., भूतल 614 व.फु., **बटवारानामा,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -211 दिनांक 13.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री आदित्य जैन, पिता श्री महेन्द्र जैन** ने मकान नं. 08 सम्पत्ति पिन नं. 2000175912 का भाग **वार्ड मदन महल -15 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 997 व.फु., भूतल 800 व.फु., प्रथमतल 900 व.फु., द्वितीयतल 240 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -208 दिनांक 13.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री मनोहर विश्वकर्मा, पिता श्री कालूराम विश्वकर्मा** ने मकान नं. 2349/2 सम्पत्ति पिन नं. 1000493540 का भाग **वार्ड मदन महल -15 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 834 व.फु., भूतल 140+474 व.फु., **बटवारानामा,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -210 दिनांक 13.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री गोविन्द कुमार विश्वकर्मा, पिता श्री कालूराम विश्वकर्मा** ने मकान नं. 2349/1 सम्पत्ति पिन नं. 1000493540 का भाग **वार्ड मदन महल -15 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 833 व.फु., भूतल 140+474 व.फु., **बटवारानामा,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -207 दिनांक 13.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री हरीश कुमार जयसिंघानी, पिता श्री मोहन दास जयसिंघानी** ने मकान नं. 104 सम्पत्ति पिन नं. 1000608131 का भाग **वार्ड विवेकानंद- 21 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 1324 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से माँ रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, तथा 68/1, लक्ष्मीपुर विवेकानन्द वार्ड, मुश्कान प्लाजा के पीछे, एम.आर.-4 रोड, उखरी जबलपुर म.प्र. से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 सांठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। भोपाल मो.नं. 7879652007, जबलपुर मो.नं.9300696096